बुधवार, 10 सितम्बर 2025

मौसम

तापमान 27 – 35
आर्द्रता 75%
सूर्योदयः 5:21 सूर्यास्तः 17:47

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

प्रधानमंत्री मोदी कांगड़ा में बादल फटने की घटना में परिवार को खोने वाली बच्ची से मिले पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, आश्विन कृष्णपक्ष तृतीया, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : बिना नुकसान ना व्यापार टिकता है ना ही रिश्ता, धैर्य आधार होता है।

जेन-जी आंदोलन में जला नेपाल

केपी ओली के इस्तीफे के बाद सेना के हाथ में कमान

- प्रदर्शनकारियों ने कई शीर्ष नेताओं के आवास पर किया हमला
- नेपाल में सोशल मीडिया से बैन हटा
- नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौंडेल ने भी दिया इस्तीफा
- पीएम ओली के इस्तीफे पर चीन ने साधी चुप्पी

काठमांडू : नेपाल का राजनीतिक संकट लगातार गहराता जा रहा है। काठमांडू और देश के अन्य हिस्सों में हिंसक विरोध-प्रदर्शन जारी हैं। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। नेपाल सेना ने ऐलान किया कि मंगलवार रात 10 बजे से सुरक्षा अभियानों की कमान वह संभालेगी। राष्ट्रपति ने अपील की है कि सभी पक्ष संयम दिखाएं और देश को शांति की ओर ले जाएं। उन्होंने खासतौर पर जेन-जी प्रदर्शनकारियों से कहा कि लोकतंत्र और जनता की भलाई के लिए सहयोग जरूरी है। बुधवार को सेना और राष्ट्रपति की बैठक में आगे का रास्ता निकल सकता है।

प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन में लगाई आग

काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया जाए!

वहीं प्रदर्शनकारी अब नए नेता की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि बालेंद्र शाह को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया जाए। बालेंद्र शाह नेपाल के काठमांडू के मेयर और एक स्वतंत्र राजनीतिक नेता हैं। वे सिर्फ राजनीति ही नहीं करते, बल्कि रैपर, संगीतकार, कवि और इंजीनियर भी हैं। उनके काम और लोकप्रियता के कारण प्रदर्शनकारी उन्हें नया नेतृत्व देने की मांग कर रहे हैं।

जेन-जी ने भी बुधवार सुबह एक बैठक बुलाई है। हालात और बिगड़े जब महोत्तरी के जलेश्वर जेल से 570 से ज्यादा कैदी भाग निकले। खबरों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने जेल की दीवार तोड़ी और भीतर मौजूद कैदियों ने रसोई के औजारों से मदद की। पुलिस और भीड़ के बीच झड़प के दौरान अराजकता फैल गई। रुपन्देही जिले में उपद्रवियों ने कई सरकारी दफ्तरों और अदालतों में आग लगा दी। बुटवल हाई कोर्ट, भैरहवा जिला अदालत और सिराहा कोर्ट में महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए। वहीं भैरहवा के गौतम बुद्ध इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खड़े वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया। पांच कारें और दो मोटरसाइकिलें राख में तब्दील हो गईं। काठमांडू में मंगलवार को हुए संघर्ष में घायल तीन प्रदर्शनकारियों की अस्पताल में मौत हो गई। इस तरह जेन-जी आंदोलन में अब तक मरने वालों की संख्या 24 पहुंच गई है, जिनमें से 22 राजधानी काठमांडू में और 2 ईटहरी में मारे गए।

भारत ने अपने नागरिकों से नेपाल की यात्रा स्थगित करने को कहा

प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के घटनाक्रम पर चर्चा के लिए सीसीएस बैठक की अध्यक्षता की, शांति की अपील की

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को नेपाल के घटनाक्रम पर चर्चा के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता की। नेपाल में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के कारण के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई है। बैठक में मोदी ने इस बात जोर दिया कि नेपाल की स्थिरता, शांति और समृद्धि भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मोदी ने कहा कि नेपाल में हुई हिंसा हृदय विदारक है। उन्होंने नेपाल के नागरिकों से शांति की अपील की। उन्होंने बाढ़ प्रभावित हिमाचल प्रदेश और पंजाब के दौरे से लौटने के बाद सीसीएस की बैठक बुलाई। मोदी ने कहा, नेपाल में हिंसा हृदय विदारक है। मुझे इस बात का दुख है कि कई युवाओं ने अपनी जान गंवाई है। नेपाल की स्थिरता, शांति व समृद्धि हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैं नेपाल में अपने सभी भाइयों और बहनों से विनम्रतापूर्वक शांति कायम करने की अपील करता हूं।

नेपाल के घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहा भारत: विदेश मंत्रालय

नेपाल में सरकार विरोधी जबर्दस्त प्रदर्शनों के बाद देश में राजनीतिक संकट गहराने के बीच भारत ने मंगलवार को कहा कि वह नेपाल के घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहा है और उम्मीद जताई कि शांतिपूर्ण तरीके से मुद्दों का समाधान हो जाएगा।

भीड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री झलनाथ खनाल की पत्नी को जिंदा जलाया,मौत

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री झलनाथ खनाल की पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार की मौत हो गई है। उन्हें कथित तौर पर उनके घर में आग लगाकर जिंदा जला दिया गया था। यह घटना डलू स्थित उनके आवास पर हुई।

सी.पी. राधाकृष्णन बने देश के 15वें उपराष्ट्रपति

रेड्डी को 152 मतों के अंतर से पराजित किया

उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद राधा कृष्णन से मिले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन मंगलवार को देश के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए। उन्होंने विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के भारी अंतर से हराया। निर्वाचन अधिकारी और राज्यसभा महासचिव पी.सी. मोदी ने बताया कि कुल 781 सांसदों में से 767 ने मतदान किया, जिनमें से 15 वोट अवैध घोषित हुए। राधाकृष्णन को 452 और रेड्डी को 300 वोट प्राप्त हुए। मतदान में 98.2 प्रतिशत की भागीदारी रही। 67 वर्षीय राधाकृष्णन किशोरावस्था में आरएसएस से जुड़े और जनसंघ से राजनीतिक सफर शुरू किया। वह दो बार कोयंबटूर से लोकसभा सदस्य रहे तथा महाराष्ट्र और झारखंड के राज्यपाल भी रहे। समर्थक उन्हें तमिलनाडु का मोदी कहते हैं। अब उपराष्ट्रपति के रूप में उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्यसभा के सभापति के तौर पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखने की होगी।

विश्वास है कि राधाकृष्णन एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन को जीत हासिल करने पर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे।

राधाकृष्णन का अनुभव राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा: राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को सी.पी. राधाकृष्णन को भारत का उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी और कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनका (राधाकृष्णन का) समृद्ध अनुभव राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

ईडी की छापेमारी में मेदिनीपुर और झाड़ग्राम से 90 लाख नकद जब्त

कोलकाता, समाज्ञा : मेदिनीपुर और झाड़ग्राम में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़े पैमाने पर छापेमारी कर करीब 90 लाख रुपये नकद बरामद किए। यह कार्रवाई उन व्यापारियों के घरों पर की गई जिन पर अवैध बालू कारोबार से जुड़े होने का शक था। नकदी बस्तों, पैकेटों और घर के कोनों में इस तरह छिपाई गई थी कि आसानी से किसी को संदेह न हो, लेकिन ईडी की टीम ने घंटों तलाशी के बाद सब बरामद कर लिया। ईडी अधिकारियों के मुताबिक, झाड़ग्राम के गोपीबल्लवपुर इलाके में रहने वाले शेख जाहिरुल के घर से लगभग 26 लाख रुपये मिले। बाकी बड़ी रकम मेदिनीपुर के कारोबारी सौरभ राय के घर से बरामद हुई। दोनों के ठिकानों पर नकदी का अंबार देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। अब जांच इस बात पर केंद्रित है कि आखिर इतनी बड़ी रकम कहां से आई और किस काम में इस्तेमाल होनी थी।

सूत्रों का कहना है कि शेख जाहिरुल पहले साइकिल मिस्त्री का काम करता था, लेकिन अचानक बालू कारोबार के जरिए बड़ा व्यापारी बन बैठा। वहीं, सौरभ राय ठेकेदारी से निकलकर तेजी से कारोबारी दुनिया में सक्रिय हुए। उनकी इस त्वरित सफलता पर पहले से ही संदेह था, इसी वजह से ईडी ने दोनों को जांच के घेरे में लिया। ईडी को शक है कि बरामद नकदी केवल अवैध बालू कारोबार की कमाई नहीं है, बल्कि इसका संबंध हवाला नेटवर्क से भी हो सकता है। जांच एजेंसी यह भी पता लगाने में जुटी है कि क्या इस रकम का इस्तेमाल देश-विदेश में धन के अवैध लेन-देन के लिए किया गया। फिलहाल, ईडी ने बरामद रकम को जब्त कर लिया है और दोनों व्यापारियों से पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसी का मानना है कि इस अवैध कारोबार के पीछे बड़े नेटवर्क की भूमिका है, जिसमें कई प्रभावशाली लोगों का हाथ हो सकता है।

लद्दाख के सियाचिन में हिमस्खलन, तीन सैनिकों की जान गई

लेह : केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में हिमस्खलन होने के कारण तीन सैनिकों की जान चली गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को 12,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन आधार शिविर क्षेत्र में हिमस्खलन हुआ, जिसमें दो अग्निवीर सहित तीन सैनिक फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया और फंसे हुए सैनिकों के शव निकाल लिए गए।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

ममता ने लोगों से हिंसा प्रभावित नेपाल से लगी सीमा पर शांति बनाए रखने की अपील

विदेशी मामलों में टिप्पणी करना मेरे लिए उचित नहीं : ममता

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को नेपाल की सीमा से लगे उत्तरी जिलों के लोगों से पड़ोसी देश में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के मद्देनजर शांति बनाए रखने का आग्रह किया। इस दिन, ममता ने उत्तर बंगाल के प्रशासनिक दौरे पर रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर कहा कि हम नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश से प्यार करते हैं। हम सभी सीमावर्ती देशों से प्यार करते हैं। मैं सिलीगुड़ी, कलिम्पोंग और नेपाल सीमा से सटे अन्य इलाकों के निवासियों से भी आग्रह करती हूं कि वे शांति बनाए रखें और ऐसी गतिविधियों से बचें, जिनसे परेशानी हो सकती है क्योंकि यह हमारी समस्या नहीं है। वहां स्थिति सामान्य होने दें। हम दखल नहीं दे सकते, यह हमारा मामला नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि विदेश नीति केंद्र सरकार का क्षेत्राधिकार है। ममता ने कहा कि हम इसमें दखल नहीं दे सकते, यह हमारा मामला नहीं है। अगर हमारे पड़ोसी देश अच्छे से रहेंगे तो हम भी बेहतर रहेंगे। हम चाहते हैं कि पड़ोसी देश में शांति बनी रहे। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को पड़ोसी देश में हो रहे घटनाक्रम को कवर करने के लिए नेपाल न जाने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि अपनी जान जोखिम में डालकर नेपाल न जाएं। आप सिलीगुड़ी से भी नेपाल की जानकारी दे सकते हैं। सुरक्षा सबसे पहले है। विदेश जाने से पहले पुलिस को सूचित करें।

सोना 5,080 रुपये की छलांग के साथ 1.12 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर

नयी दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत 5,080 रुपये की छलांग के साथ अबतक के उच्चतम स्तर 1,12,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना सोमवार को 1,07,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 2,800 रुपये उछलकर रिकॉर्ड 1,28,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। पिछली कारोबारी सत्र में यह 1,26,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने रक्षा मंत्री लेकोर्नु को नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया

पेरिस : फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार देर रात रक्षा मंत्री से बे स्टि यन लेकोर्नू को देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया। लगभग एक साल में देश को चौथी बार नया प्रधानमंत्री मिला है। लेकोर्नू (39) फ्रांस के इतिहास में सबसे कम उम्र के रक्षा मंत्री हैं। साल 2017 में मैक्रों के मध्यमार्गी आंदोलन में शामिल हुए लेकोर्नू ने इससे पहले विभिन्न पदों पर कार्य किया है। सोमवार को फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू संसद में विश्वास मत हासिल करने में नाकाम रहे थे, जिसके बाद उनकी सरकार गिर गई थी। बायरू की सरकार के पक्ष में 194 जबकि विरोध में 364 वोट पड़े। मैक्रों ने पिछले साल दिसंबर में बायरू को प्रधानमंत्री नियुक्त किया था।

कतर में इजराइली हमले में हमारे पांच सदस्यों की मौत हुई

दुबई : इजराइल ने गाजा में संघर्ष विराम के अमेरिकी प्रस्ताव के बीच मंगलवार को कतर में हमास नेतृत्व को निशाना बनाकर हमला किया। इसके बाद हमास ने एक बयान जारी कर कहा कि इजराइली हमले में उसके सभी शीर्ष नेताओं की जान बच गई, लेकिन निचले दर्जे के पांच सदस्यों की मौत हुई है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने कहा कि इजराइल ने कतर में हमला करने से पहले अमेरिका को सूचित कर दिया था। अमेरिका ने कहा कि उसने कतर को भी इसकी जानकारी दे दी थी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने पत्रकारों से कहा कि पश्चिम एशिया के लिए अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने हमले के संबंध में कतर को आगाह कर दिया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मानना है कि इजराइली हमला एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है जिससे क्षेत्र में शांति को बढ़ावा नहीं मिलेगा।

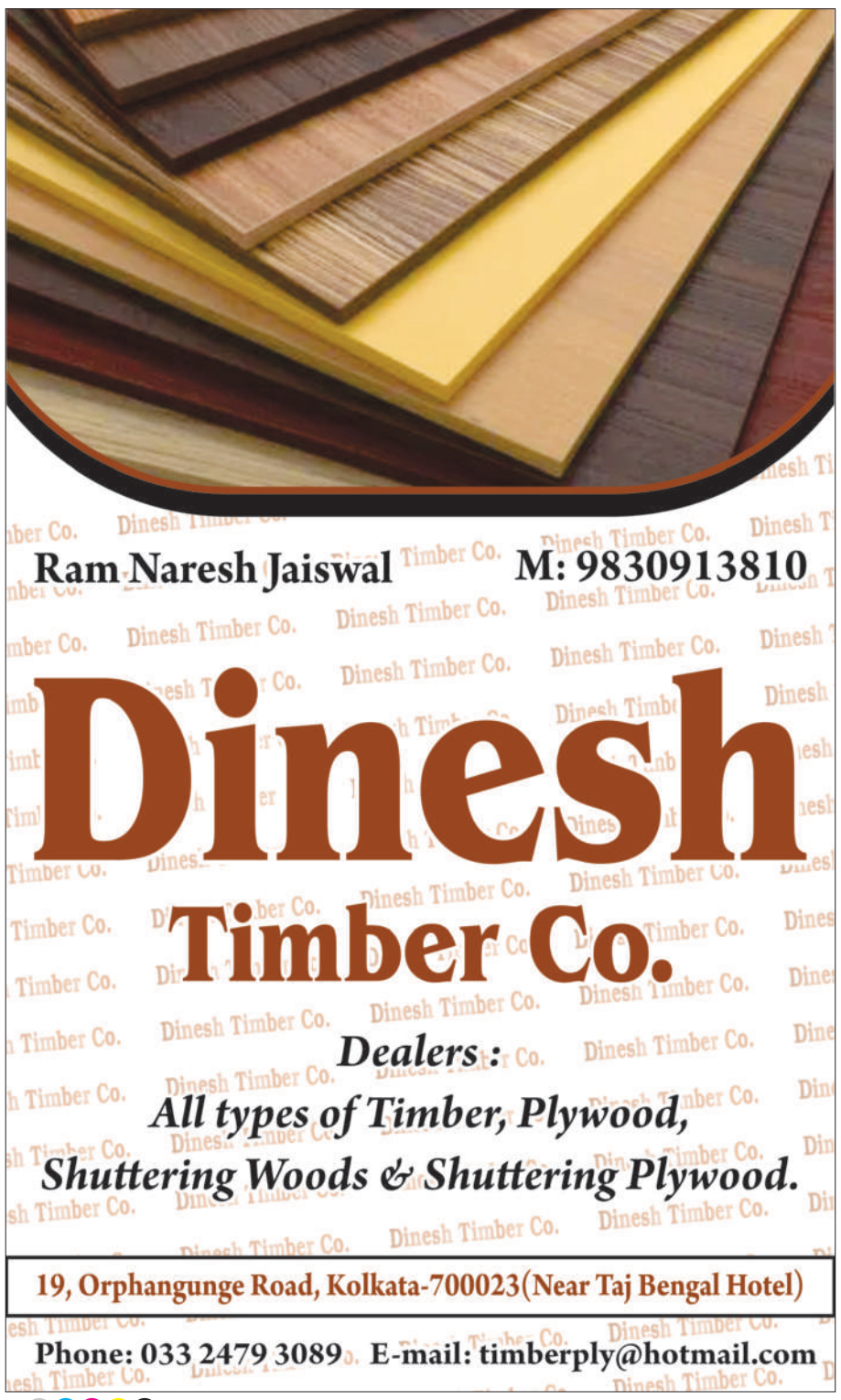

अनिश्चित भविष्य व सोशल मीडिया वजह

दशकों मान्यता रही है कि समाज का मिडल ऐज ग्रुप दु:खी व तनाव में और युवा व बुजुर्ग प्रसन्न रहते हैं। लेकिन हालिया प्रकाशित एक अध्ययन ने बताया कि दु:ख की शुरुआत अब युवा अवस्था में हो रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका समेत मध्यपूर्व के 44 देशों में यह ट्रेंड देखा गया है। जिसमें भविष्य की अनिश्चितता व कार्य परिस्थितियों का दबाव तो है मगर बड़ा कारक सोशल मीडिया बताया जा रहा है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया से जुड़े रहने और यथार्थ से दूर रहने के कारण युवा जीवन की वास्तविक स्थितियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। आभासी मीडिया उन्हें बड़े-बड़े सपने तो दिखाता है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाई से अवगत नहीं कराता है। यही वजह है कि जहां पहले मिड ऐज ग्रुप यानी 40 से 50 आयु वर्ग दुखी माना जाता था, उसके स्थान पर दु:ख की शुरुआत अब युवा उम्र से ही होने लगी है। हालिया, ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट के आंकड़ों में, अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका, एशिया, अमेरिका व मिडल ईस्ट के 44 देशों का अध्ययन बताता है कि बुजुर्गों की तुलना में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य ज्यादा खराब है। वेब आधारित इस सर्वे में पर्याप्त डेटा जुटाया गया था। जो बताता है कि यह ट्रेंड केवल विकसित देशों में ही नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर है। आंकड़े बताते हैं कि हर नई पीढ़ी अब पहली के मुकाबले ज्यादा तनाव में है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका व ब्रिटेन में किए गए एक अन्य सर्वे में कम पढ़े-लिखे युवा कर्मियों में अवसाद ज्यादा पाया गया है। पहले मान्यता रही है कि नौकरीपेशा लोगों में नौकरी मिलने के बाद तनाव कम होता है,लेकिन आज हकीकत ठीक इसके विपरीत है। ब्रिटेन के एक सर्वे में कहा गया है कि साल 2016 के बाद चालीस से कम उम्र के युवाओं में चिंता व अवसाद पहले के मुकाबले ज्यादा हो गया है। वैसे यह भी हकीकत है कि जिन देशों में रोजगार की स्थिति बेहतर है,वहां मानसिक सेहत में सुधार हुआ है।

दरअसल, तमाम अध्ययन बता रहे हैं कि सोशल मीडिया में लगातार सक्रियता युवाओं को वास्तविक सामाजिक जीवन से दूर कर रही है। वे कृत्रिम जीवन में जी रहे हैं। जब हम समाज व मित्रों के बीच सक्रिय रहते हैं तो बातचीत से तनाव मुक्त रह सकते हैं। देर रात तक सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने से युवाओं का नींद का चक्र बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। आभासी मित्रता के बजाय आमने-सामने की बातचीत सेहत के लिये ज्यादा लाभकारी होती है। यह जीवन की हकीकत है कि हमारे जीवन में योगदान देने वालों के प्रति यदि हम कृतज्ञता का भाव रखते हैं तो हमारा जीवन- व्यवहार सहज हो जाता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हम जिन चीजों के प्रति कृतज्ञ हैं, उनके बारे में लिखने से हमारा नजरिया बदलता है। हमारा मानसिक स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी दिनचर्या कितनी अनुशासित व संतुलित है। रात को जल्दी सो जाने और सूर्योदय के साथ उठने से हम दिनभर प्रफुल्लित रह सकते हैं। विडंबना यह भी कि सोशल मीडिया पर आधुनिक जीवन की जो चमक-दमक दिखायी जाती है,युवा उसको पाने की आकांक्षा करने लगते हैं। लेकिन जीवन का यथार्थ कठोर है। निस्संदेह, वैज्ञानिक उन्नति व तकनीकी विकास से पूरी दुनिया में रोजगार के अवसरों का संकुचन हुआ है। श्रम आधारित उद्योगों के बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले उद्योगों के बढ़ने से यह स्थिति पैदा हुई है। साथ ही नौकरियों में अस्थिरता व असुरक्षा के चलते भविष्य को लेकर जो अनिश्चितता पैदा होती है, उससे युवाओं में तनाव की वृद्धि होती है। भौतिकवादी नजरिये के चलते आज के युवा जिस जीवनशैली की आकांक्षा रखते हैं, वह पूरी न होने पर भी वे डिप्रेशन के शिकार बन जाते हैं। युवाओं को जीवन के कठोर यथार्थ से जूझने का संबल देना वक्त की जरूरत है। असीमित आकांक्षाओं व जीवन के यथार्थ में साम्य स्थापित करना तमाम समस्याओं का समाधान देता है। सोशल मीडिया से सुरक्षित दूरी इसमें मददगार साबित हो सकती है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 10 सितम्बर, बुधवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, आश्विन कृष्णपक्ष तृतीया, 15:38 तक, नक्षत्र : रेवती, 04:58 तक, योग : वृद्धि, 20:27 तक, सूर्योदय: 5:21, सूर्यास्त: 17:47, चन्द्रोदय : 19:28, चन्द्रास्त: 07:41, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : सिंह, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 11:33 से 13:05

राशिफल

मेष : कार्यक्षेत्र में अगर कोई वाद-विवाद चल रहा था तो अब उसमें आपकी जीत हो सकती है। इससे आपको थोड़ा सुकून महसूस होगा। कानूनी मामलों में सावधान रहना जरूरी होगा।

वृष : दिन की शुरुआत में आप व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकलने में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। इसी के चलते थोड़ा तनाव भी महसूस होगा। दिन सामान्य रहेगा।

मिथुन : कार्यक्षेत्र में किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय पर पहुंचने से पहले आसपास के लोगों की भावनाओं का भी ख्याल रखें। ऐसा करने से आत्मसंतोष होगा। साथ ही, सही फैसले पर पहुंच पाएंगे।

कर्क : नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर खुद को साबित करने के सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन इन मौकों को पहचानना होगा और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना होगा।

सिंह : कार्यक्षेत्र में अगर किसी कठिन समस्या का सामना कर रहे हैं, तो अब उसका समाधान हो सकता है, जिससे सुकून महसूस होगा। वहीं, किसी जानकार को कर्ज भी देना पड़ सकता है।

कन्या : आपको कार्यक्षेत्र में एक साथ कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं, जिसके लिए तैयार रहना होगा। बिजनेस के मामले में थोड़ा जोखिम उठाने से आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है।

तुला : अगर लंबे समय से आपको किसी का उधार देना था, अब उसे चुकाने में आपको कामयाबी मिल सकता है। आप कुछ जरूरी सामान की खरीदारी करने भी जा सकते हैं।

वृश्चिक : कामकाज में आप ज्यादा व्यस्त रहने वाले हैं। व्यापार के मामले में कुछ जरूरी कॉल्स और इमेल्स का जवाब देना पड़ सकता है। ऐसे में आप अन्य कार्यों पर थोड़ा कम ध्यान दे पाएंगे।

धनु : नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर कुछ नए अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपकी किसी रचनात्मक कार्य में रुचि बढ़ेगी, जिससे तनाव कम करने में भी मदद मिलेगी।

मकर : व्यापार में आप किसी नए प्रोजेक्ट या काम के चलते ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और अपने कार्य में व्यस्त रहेंगे। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहने वाला है।

कुम्भ : युवा वर्ग किसी नई नौकरी या काम की शुरुआत कर सकते हैं। जिसमें कुछ समय का अनुभव मिलने के बाद आपको सफलता प्राप्त हो सकती है और उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे।

मीन : कार्यस्थल पर अपने काम में बिजी रहना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। अगर विरोधी आपके खिलाफ कोई बात करते हैं, तो उन्हें इग्नोर करना ज्यादा बेहतर रहेगा।

सी.पी. राधाकृष्णन: एक नये अध्याय की शुरुआत

ललित गर्ग

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने अपने वोट डालें। सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार वरिष्ठ अधिवक्ता बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की और एक नये इतिहास का सृजन किया है। निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी के अनुसार मतदान संसद भवन के वसुधा स्थित कमरा संख्या एफ-101 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। यह ऐतिहासिक घटना केवल उपराष्ट्रपति पद के चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती है। सी.पी. राधाकृष्णन का 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जोड़ा।

एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहाँ राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तित्व, नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सर्वोपरि है। इस शानदार जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करता है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करता है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दर्शाता है जहाँ व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्व मिलेगा।

सी.पी. राधाकृष्णन का चयन इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि वे राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले ऐसे नेता माने जाते हैं जिनकी पहचान केवल पार्टी तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में भी है। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है जहाँ वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक और वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। यह कहा जा सकता है कि इस चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा, और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा क्षण है जिसे केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां पिछले कई दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक ज़मीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज़ 4 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए गठबंधन को कुल 66 सीटों पर सफलता हासिल हुई। यह स्पष्ट करता है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ अभी कमजोर है और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर एक रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है। इससे भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह

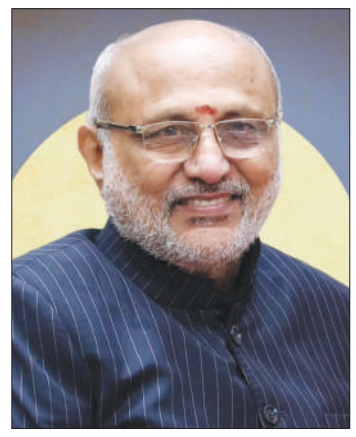

तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से भाजपा को उम्मीद है कि वह आने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के लंबे प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी।

भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उपराष्ट्रपति मंत्रालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। यह पद केवल औपचारिकता का केंद्र न होकर भारतीय संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देता है। स्वतंत्र भारत की इस परंपरा को जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊँचाई दी, तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदर्शों का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से यह संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्व का नहीं बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है। आज एनडीए द्वारा इस परंपरा में नई ऊर्जा का संचार करते हुए प्रभावी और रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्जवल परंपरा को आगे बढ़ाने का संकेत है। यह प्रयास बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए यह आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति संस्था निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बनी रहे।

सी.पी. राधाकृष्णन का जीवन संघर्ष, साधना और निरंतर सक्रियता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। 20 अक्तूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन का विद्यार्थी जीवन खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ा रहा। वे टेबल टेनिस के चैम्पियन रहे और उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर सामाजिक सेवा के मार्ग पर आगे बढ़े। सत्तर के दशक में जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी से राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले राधाकृष्णन धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरे बने। कोयंबटूर से वे 1998 और 1999 में लगातार दो बार लोकसभा सदस्य चुने गए। संसद में उनकी सक्रियता, समितियों में भागीदारी और जनता से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी ने उन्हें एक सशक्त जननेता के रूप में पहचान दी। वर्ष 2004 से 2007 तक उन्होंने भाजपा तमिलनाडु का नेतृत्व किया और संगठन विस्तार के लिए यात्रा, आंदोलन और संवाद को प्रमुखता दी। इसके बाद कोइर बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नारियल उद्योग और उसके निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राधाकृष्णन की प्रशासनिक यात्रा उन्हें राज्यपाल पद तक ले गई। वे झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने पारदर्शिता, सौम्यता और संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य किया। उनकी छवि एक सहज, सरल और संतुलित व्यक्ति की है जो संवाद से समाधान तलाशने में विश्वास रखते हैं। जब तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ा तो इस पद पर चुनाव की आवश्यकता पड़ी। एनडीए ने सर्वसम्मति से राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया। विपक्ष ने भी अपना प्रत्याशी उतारा, परंतु संख्या बल के कारण यह साफ था कि राधाकृष्णन की विजय लगभग सुनिश्चित है। कुछ क्षेत्रीय दलों ने मतदान से दूरी बना ली, जिससे समीकरण और भी सरल हो गए।

राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्यसभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि यह संसद की गरिमा और संविधान की मर्यादा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका पूरा जीवन एक कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को केवल शक्ति के रूप में नहीं देखा बल्कि सेवा और कर्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहें हैं तो यह आशा की जा सकती है कि वे संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊँचाई देंगे। उनका अनुभव, धैर्य और समर्पण देश की लोकतांत्रिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

नेपाल में क्या भारत के समर्थन वाली सरकार आ रही है!

अजय कुमार

वरिष्ठ पत्रकार

भारत के पड़ोसी देश बंग्लादेश में हाल ही में शेख हसीना की सरकार के तख्ता पलट के बाद अब एक अन्य पड़ोसी मुल्क नेपाल में भी वामपंथी विचारधारा के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार के तख्ता पलट की उम्मीद काफी बढ़ गई है। ओली के मंत्री और सांसद इस्तीफा दे रहे हैं। आम जनता के गुस्से को भांप कर प्रधानमंत्री ओली के साथ-साथ उनके समर्थन वाले कई नेताओं के विदेश जाने की खबरें भी आ रही हैं। मौजूदा हालात में अगर ओली सरकार गिरती है, तो सबसे पहले सत्ता में आने का रास्ता नेपाली कांग्रेस जैसी मध्यमार्गी, लोकतांत्रिक विचारधारा वाली पार्टी के लिये सबसे अधिक खुलेगा। नेपाली कांग्रेस संसद की सबसे बड़ी पार्टी है, जबकि सीपीएन-यूएमएल (ओली की पार्टी) दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है; इनके बाद तीसरी ताकत माओवादी केंद्र है, जो प्रगतिशील मगर ओली की तुलना में अधिक विविध गठबंधन की ओर झुकी रही है। ओली के नेतृत्व में मंत्रीमंडल में शामिल सहयोगी दलों ने पहले भी समर्थन वापस लिया है, इसलिए सत्ता परिवर्तन का रास्ता पहले संसदीय दल के बीच मेल-मिलाप, फिर बहुमत परीक्षण के जरिये तय होगा। नई सरकार के लिये गठबंधन जरूरी है, जिसमें कांग्रेस, माओवादी केंद्र और क्षेत्रीय दल प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।वैसे कहा यह भी जा रहा है कि नेपाल में जो कुछ हो रहा है उसके पीछे अमेरिका का हाथ है।

ओली सरकार की स्थिरता एक बार फिर बड़े संकट में फंस गई है, इसका ट्रिगर हालिया आंदोलन बना, जिसमें भ्रष्टाचार, भेदभाव और सोशल मीडिया नियंत्रण के खिलाफ युवाओं ने बड़ी संख्या में सड़कों पर उतर कर विरोध किया। इन प्रदर्शनों को दबाने के दौरान पुलिस की फायरिंग में 19 लोगों की मौत हो चुकी है। इस घटना के बाद सरकार की साख और समर्थन तेजी से गिरा है; साथ ही ओली कैबिनेट से इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो गया। सबसे पहले गृह मंत्री रमेश लेखक (नेपाली कांग्रेस) ने इस्तीफा देकर नैतिक जिम्मेदारी ली। इसके बाद कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी (नेपाली कांग्रेस) ने भी सरकार की नीतियों के खिलाफ इस्तीफा दे दिया है। ये इस्तीफे बताते हैं कि सरकार के सामने बड़ी सियासी चुनौती है और बहुमत खोने का संकट सिर पर है।

नेपाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन के कई निशाने और असर भारत पर भी सीधे पड़ते हैं। नई सरकार का गठन भारत और चीन दोनों के लिये कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाएगा। भारत पारंपरिक रूप से नेपाल की लोकतांत्रिक, संवैधानिक व्यवस्था को समर्थन देता रहा है और बार-बार राजनीतिक स्थिरता का पक्षधर रहा है। नेपाल में वामपंथी हुकूमतें आमतौर पर चीन के करीब दिखती हैं और भारत के साथ कई अहम समझौतों को ओझल कर देती हैं, जबकि नेपाली कांग्रेस जैसे दल खुलकर भारत-नेपाल सांस्कृतिक, राजनयिक, व्यापारिक रिश्तों को प्राथमिकता देते हैं। अगर ओली सरकार गिरती है और कांग्रेस गठबंधन सत्ता में आता है, तो भारत-नेपाल संबंधों के सहज होने, आपसी व्यापार बढ़ने और सीमाई विवादों के कम होने की संभावना कहीं अधिक मजबूत हो जाएगी; वहीं, ओली द्वारा लागू कट्टर राष्ट्रवाद कृ जो चीन के साथ नजदीकी बढ़ाने की कोशिशों में झलकता रहा कृ उसमें ब्रेक लग सकता है।

नेपाल के हालिया राजनीतिक अस्थिरता के भारत पर प्रभाव को तीन पहलुओं में समझा जा सकता है। पहला, भारत नेपाल में स्थिरता चाहता है ताकि मधेस, सीमा विवाद और पारगमन व्यापार को लेकर सहयोग बढ़ सके। अस्थिर सरकारों के कारण अक्सर समझौते टल जाते हैं या नए सिरे से कूटनीति की जरूरत पड़ती है।दूसरा, ओली की वामपंथी सरकार ने भारत के खिलाफ राष्ट्रवादी बोल, सीमाई मुद्दों पर चीन के पक्ष में झुकाव और आंतरिक राजनीति में बाहरी (खासकर भारतीय) दखल का आरोप बार-बार लगाया। सत्ता परिवर्तन से भारत के लिए एक संवेदनशील, व्यावहारिक सहयोगी सामने आ सकता है। तीसरा, चीन के दखल और नेपाल की आंतरिक राजनीति में सैन्य व अधोसंरचना सहयोग के मुद्दे पर भारत सावधान रहता है। नई सरकार बनने के बाद भारत-नेपाल के कूटनीतिक संतुलन को साधने की कोशिश संभव है। ओली सरकार में जो मंत्री इस्तीफा दे चुके हैं, उनमें गृह मंत्री रमेश लेखक और कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी (दोनों नेपाली कांग्रेस) के नाम सामने आ चुके हैं। दोनों ने व्यापक विरोध-प्रदर्शन, विपक्षी दलों के दबाव और पुलिस बर्बरता व जवाबदेही के अभाव को लेकर इस्तीफा दिया है; इनके अलावा भी गंभीर असंतोष के संकेत मिल रहे हैं।

नेपाल में मौजूदा संकट का स्रोत नई पीढ़ी का असंतोष, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और फ्री स्पीच की मांग है, जिससे सरकार का जनाधार कमजोर हुआ है। ओली सरकार के जाने के बाद केंद्र में लोकतांत्रिक, लोककल्याणकारी एजेंडा रखने वाली पार्टियों का दबदबा बढ़ सकता है, जिससे भारत-नेपाल संबंधों में नया संचार और क्षेत्रीय संतुलन संभव है। किंतु सेट बैक यह रहेगा कि बार-बार सियासी उठापटक नेपाल की आंतरिक प्राकृतिक व मानवीय समस्याओं को भी और लंबा खींच सकती है, जिसका सीधा असर भारत-नेपाल के सीमाई इलाकों, प्रवासी कामगारों और सांस्कृतिक रिश्तों पर पड़ेगा। इसलिए घटनाक्रम पर भारत की दोतरफा कूटनीतिक सक्रियता बढ़ना तय है।

विदेश की खबरें

नेपाल में दंगों के बीच प्रधानमंत्री ओली की सरकार गिरने पर चीन ने साधी चुप्पी

बीजिंग : चीन ने नेपाल में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पद से हटने और नेपाली राजनीतिक वर्ग के खिलाफ जारी छात्रों के हिंसक आंदोलन पर अभी तक आधिकारिक रूप से प्रतिक्रिया नहीं दी है। ओली को चीन समर्थक माना जाता है। ओली ने बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच मंगलवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। प्रदर्शनकारियों ने कई बड़े नेताओं के आवासों, राजनीतिक दलों के मुख्यालयों पर हमला किया और यहां तक कि संसद में भी तोड़फोड़ की। एक दिन पहले ही प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई में 19 लोगों की मौत हो गई थी। ओली हाल ही में तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन और द्वितीय विश्व युद्ध में जापान पर चीन की जीत की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित चीनी सैन्य परेड में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा पर गए थे। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने ओली के इस्तीफे और सोमवार को काठमांडू तथा देश के अन्य हिस्सों में शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों पर एक संक्षिप्त खबर दी।

पूर्वी यूक्रेन के एक गांव पर रूसी ग्लाइड बम से हमला, कम से कम 21 लोगों की मौत

कीव : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को पूर्वी यूक्रेन के एक गांव में पेंशन प्राप्त करने के लिए लाइनों में लगे बुजुर्गों पर रूसी ग्लाइड बम से किए गए हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गयी और दो दर्जन लोग घायल हो गये। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनेत्स्क क्षेत्र के यारोवा गांव में बम गिरा। उन्होंने हमले के बारे में कहा, निःसंदेह यह क्रूरता है। जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह रूस पर अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उसे आक्रमण के लिए दंडित करें। उन्होंने पोस्ट में कहा, दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए। दुनिया को निष्क्रिय नहीं रहना चाहिए। अमेरिका को जवाब देना चाहिए। यूरोप को जवाब देना चाहिए। जी-20 को प्रतिक्रिया देनी चाहिए। रूस को मौत का तांडव मचाने से रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जरूरत है। दोनेत्स्क के गवर्नर वादिम फिलाश्किन ने बताया कि पेंशन पाने के लिए इंतजार कर रहे बुजुर्गों की कतार पर हुए इस हमले में 21 लोगों की मौत हो गयी और 21 अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने 'टेलीग्राम' पर लिखा, यह युद्ध नहीं है।

वर्ग पहेली नं. 3203

बायें से दायें:- 1) राष्ट्रपति द्वारा आदेश, 5) इज़्ज़त, 7) अरण्य, 8) दत्तक, 10) मुखिया, 11) ताज़ा, 13) नहीं, 15) आधा, 17) वास्तविक, 19) चंपत होना, 21) एक पांडव, 22) साहस, 24) बरतन मुँह, 26) झगड़ा, 28) सामने, 30) परिश्रम, 33) निर्णीत, 34) महाकाय.

ऊपर से नीचे:- 1) वर्णनातीत, 2) ख़्याल, 3) पाजीपन, 4) एक चौपाया, 5) मुख, 6) प्रचलित, 9) बिना रुके, 10) सक्षम, 12) अर्थात, 14) स्वीकार्य, 16) खेद, 18) गिरने न देना, 19) तुल्य, 20) शीर्षक; ख्याति, 23) सूर्योदय का देश, 24) भाग्य, 25) नृत्य; लगाम; ढेर, 27) सदा, 29) एक परदार कीड़ा, 31) उत्तर, 32) नीचे. *(उत्तर: अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

स	मा	न	ता	■	क	बा	ब	■	प
■	फ़ि	■	क़	स	म	■	क	न्न	ड़
अ	क	स्मा	त	■	ला	ट	री	■	ता
स	■	■	व	धि	क	■	■	बे	ल
म	ज	बू	र	■	र	न	वा	स	■
■	न	टी	■	कु	■	ग	■	न	ल
अंक	■	■	अ	न	व	र	त	■	हँ
बु	■	ग	र	बा	■	व	■	धा	गा
ज	ब	त	ब	■	म	ध्रु	क	री	■

सुडोकू-पहेली-3160

	8		1					4
9	6				2		3	
2								
			6			2		
3			4				1	
		1						9
	2				8			
	5				7			3
						9		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3159 का उत्तर

8	4	5	2	7	9	3	1	6
6	3	7	1	4	5	2	9	8
1	9	2	3	8	6	5	4	7
4	6	9	8	3	2	7	5	1
5	8	1	4	6	7	9	2	3
7	2	3	5	9	1	8	6	4
9	1	6	7	2	8	4	3	5
3	5	8	9	1	4	6	7	2
2	7	4	6	5	3	1	8	9

नेपाल में अशांति के बीच बंगाल-नेपाल सीमा पर सुरक्षा कड़ी, ट्रक और पर्यटक फंसे

कोलकाता, समाज्ञा : नेपाल में जेन-जी आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में 19 से अधिक लोगों की मौत और कई लोग घायल हो गए हैं। इसके बाद, पश्चिम बंगाल स्थित भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार, कम से कम 100 भारतीय ट्रक चालक और पर्यटक नेपाल सीमा पर फंसे हुए हैं। दार्जिलिंग जिला पुलिस ने फंसे हुए भारतीयों के लिए 24 घंटे का कंट्रोल रूम शुरू किया है। दार्जिलिंग के पुलिस अधीक्षक प्रवीन प्रकाश सुबह से पनितांकी सीमा की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने बताया कि हमने सीमा क्षेत्र में घर-घर तलाशी शुरू कर दी है। यहां फिलहाल किसी अशांति की

खबर नहीं है, लेकिन हम पूरी तरह सतर्क हैं। नेपाल पुलिस के साथ लगातार संपर्क रखा जा रहा है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) भी चौकन्ना है। यदि किसी भारतीय को नेपाल में कोई समस्या होती है तो दार्जिलिंग जिला पुलिस हेल्पलाइन पर संपर्क करें, हम हरसंभव मदद करेंगे। हालांकि, आधिकारिक रूप से घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी के पास पनितांकी सीमा से वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर सीमा क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा चूक से बचने के लिए कदम उठा रही हैं। पनितांकी क्षेत्र में तनाव का माहौल है। यहां तक कि दुकानें भी बंद हो गई हैं। पश्चिम बंगाल सरकार हालात पर लगातार नजर रख रही है। सीमा पर हर वाहन की तलाशी ली जा रही है और डॉग स्क्वॉड भी तैनात हैं। पुलिस वाहन चालकों और यात्रियों का नाम-पता और अन्य जानकारी एकत्र कर रही है। लेकिन वाहन आवाजाही बंद होने से सैकड़ों ट्रक दोनों ओर फंसे हुए हैं।

अशांत नेपाल पर नजर, पश्चिम बंगाल में अलर्ट... नवान्न ने दिए सख़्त निर्देश

नेपाल में फेसबुक, व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के फैसले के बाद राजधानी काठमांडू सहित पूरे देश में तनावपूर्ण माहौल है। पड़ोसी देश की इस स्थिति को देखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार भी सतर्क हो गई है। दरअसल, पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग ज़िला नेपाल की सीमा से सटा हुआ है। ऐसे में नवान्न (राज्य सचिवालय) ने सोमवार को सीमावर्ती इलाक़ों में सुरक्षा और निगरानी बढ़ाने के निर्देश जारी किए। राज्य के डीजीपी राजीव कुमार ने उत्तर बंगाल के आईजी, दार्जिलिंग ज़िले के एसपी और शिलिगुड़ी पुलिस कमिश्नरेट के सीपी को विशेष निर्देश दिए हैं। आदेश के अनुसार नेपाल सीमा से लगे इलाक़ों में कड़ी चौकसी बरतनी होगी और सोशल मीडिया गतिविधियों पर भी सघन निगरानी रखनी होगी। नवान्न सूत्रों के मुताबिक, नेपाल की स्थिति पर लगातार नज़र रखी जा रही है और ज़रूरत पड़ने पर और भी कड़े कदम उठाए जाएंगे।

ठाकुर पंचानन बर्मा की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ममता ने दी श्रद्धांजलि

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजवंशी समाज के प्रख्यात नेता और समाज सुधारक रायसाहेब ठाकुर पंचानन बर्मा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि यह महान आत्मा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा थी, जिसका प्रभाव अतीत से लेकर भविष्य तक समाज को प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि यह उनका गर्व है कि कोचबिहार में ठाकुर पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय की स्थापना कर उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाया गया है। साथ ही, उनके जन्मस्थान खलिसामारी में विश्वविद्यालय का दूसरा परिसर भी शुरू किया गया है। राज्य सरकार ने उनके जन्मदिन पर अवकाश घोषित किया है। इसके अलावा, उनके आवास को संरक्षित कर 'पंचानन बर्मा संग्रहशाला एवं अनुसंधान केंद्र' बनाया गया है और उनकी पूर्णाकृति प्रतिमा भी स्थापित की गई है। ममता बनर्जी ने कहा कि राजवंशी समाज की भाषा और संस्कृति को सम्मान देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। राजवंशी भाषा को सरकारी मान्यता दी गई है। इसके साथ ही कामतापुरी, संथाली, कुरुख, कुड़माली, नेपाली, हिंदी, उर्दू, उड़िया, पंजाबी और तेलुगु भाषाओं को भी राज्य की सरकारी भाषाओं की सूची में शामिल किया गया है। सादरी भाषा के उत्थान के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। राजवंशी विकास बोर्ड, राजवंशी सांस्कृतिक अकादमी, राजवंशी भाषा अकादमी और कामतापुरी भाषा अकादमी की स्थापना की गई है। लगभग 200 राजवंशी स्कूलों को सरकारी मान्यता दी गई है। राज्य पुलिस में 'नारायणी' बटालियन (मुख्यालय - मेखलीगंज) का गठन किया गया है। बाबुरहाट में वीर चिला राय की 15 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है। अपने ट्वीट में ममता बनर्जी ने बताया है कि कोच-कामतापुरी-राजवंशी समाज की परंपरा और गौरव को सम्मान देने के लिए कोचबिहार शहर को विरासत शहर (हेरिटेज सिटी) का दर्जा दिया गया है।

Name Change

I Bishnupriya Sarkar D/o Bhagyadhar Sarkar and W/o Pinaki Mohan Ray R/o Pal Para, VTC- Barasat (m), PO- Hriday-pur, District- North 24 Parganas West Bengal - 700127, have changed my name to Tripti Ray

गर्भवती महिला को 48 घंटे में बांग्लादेश भेजने पर सवाल, केंद्र से जवाब तलब

कोलकाता : आठ माह की गर्भवती सोनाली बीबी और उनके परिवार को मात्र 48 घंटे के भीतर बांग्लादेश पुशबैक करने के आरोप पर मंगलवार को कोलकाता हाईकोर्ट ने गंभीर सवाल उठाए।

न्यायमूर्ति तपोब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति ऋत्व्रत कुमार मित्रा की डिवीजन बेंच ने पूछा - जब सोनाली को 24 जून को गिरफ्तार किया गया, तो 26 जून को ही उन्हें विदेश भेजने का निर्णय कैसे लिया गया? कौन-सी प्रक्रिया का पालन किया गया? अदालत ने टिप्पणी की कि कानून के अनुसार कम से कम 30 दिन तक हिरासत में रखकर जांच जरूरी होती है।

सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अशोक चक्रवर्ती ने इस मामले की स्वीकार्यता पर सवाल खड़ा किया। उनका कहना था कि घटना दिल्ली में घटी, इसलिए कोलकाता हाईकोर्ट के पास अधिकार क्षेत्र नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नागरिकता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी छुपाई गई है।

दिल्ली पुलिस के वकील ने दावा किया कि सोनाली का परिवार अब तक हलफनामा देकर यह साबित नहीं कर पाया है कि वे बांग्लादेशी नहीं हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए न्यायमूर्ति चक्रवर्ती ने कहा कि केवल बांग्ला बस्ती से लाने का मतलब यह नहीं कि वे बांग्लादेशी हैं।

बेंच ने याचिकाकर्ता के वकीलों से भी पूछा कि देश से निष्कासन के आदेश को चुनौती नहीं दी गई है, तो अदालत किस आधार पर निर्देश देगी? साथ ही अदालत ने साफ कर दिया कि यह मामला एक ही अदालत में चलना चाहिए, कोलकाता और दिल्ली दोनों जगह नहीं।

इस मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को होगी, जिसमें केंद्र सरकार से विस्तृत जवाब मांगा गया है।

आवास अवसंरचना विकास परिषद की नई अध्यक्ष चुनी गईं चंद्रिमा भट्टाचार्य

कोलकाता : आवास अवसंरचना विकास परिषद के अध्यक्ष पद पर नया नाम घोषित हुआ है। मंगलवार सुबह राज्य सचिवालय नबन्न से जारी अधिसूचना के अनुसार राज्य की वित्त एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य को इस परिषद का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उत्तर बंगाल दौरे पर रवाना होने से ठीक पहले यह प्रशासनिक बदलाव किया गया।

सूत्रों के अनुसार चंद्रिमा भट्टाचार्य कुछ ही दिनों के भीतर औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण कर लेंगी। नई जिम्मेदारी मिलने पर चंद्रिमा ने कहा, मुख्यमंत्री ने मुझे यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है; मैं इसके लिए आभारी हूं। मैं जान-प्राण लगा कर

कार्य करूँगी।

वर्तमान में चंद्रिमा राज्य के स्वास्थ्य और वित्त विभाग के बड़े कर्तव्यों का निर्वाह कर रही हैं। साथ ही वे तृणमूल महिला शाखा की अध्यक्ष भी हैं। अब आवास अवसंरचना विकास परिषद जैसी अवसंरचनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण संस्था की कमान भी उनके हाथ में आ गई है।

'श्रमश्री' योजना में एक हफ्ते में करीब 40 हजार लोगों ने किया आवेदन

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल सरकार की नई पहल 'श्रमश्री' योजना को लेकर राज्यभर के मजदूरों में बड़ी उत्सुकता देखी जा रही है। श्रम विभाग के अनुसार, योजना की घोषणा के सिर्फ एक हफ्ते के भीतर करीब 40 हजार प्रवासी मजदूरों ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, अब तक मिले आवेदनों में मुर्शिदाबाद और मालदह जिलों से सबसे ज्यादा आवेदन दर्ज किए गए हैं। अगस्त के तीसरे सप्ताह से ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हुई थी और पिछले सोमवार से ऑनलाइन पोर्टल भी सक्रिय किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी आवेदनों की कड़ी जांच होगी। जिनका नाम पहले से 'श्रमश्री' पोर्टल पर दर्ज है, वे भी इस योजना के लिए पात्र होंगे और जिनका नाम दर्ज नहीं है, वे भी आवेदन कर सकते हैं। राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत ने सभी जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि सभी बैंक खातों की जानकारी का बारीकी से सत्यापन किया जाए। सहायता राशि सीधे बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी। साथ ही, आवेदकों ने किस राज्य में, किस तरह का काम किया, इसकी भी जांच की जाएगी।

चकदह में दंपति की रहस्यमय मौत, जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के चकदह में मंगलवार को एक दंपति की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत का मामले सामने आया है। मृत दंपति की पहचान इंद्रजीत राय (21) और प्रिया राय (19) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चाकदह के तांतला रायपाड़ा इलाके के निवासी इंद्रजीत और प्रिया सोमवार की रात परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर भोजन करने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए थे। घर में इंद्रजीत के माता-पिता और भाई भी साथ रहते हैं। मंगलवार की सुबह अचानक दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी। पति-पत्नी को तेज पेट दर्द की शिकायत हुई। परिवार के लोगों ने पहले घरेलू स्तर पर इलाज की कोशिश की, लेकिन हालत बिगड़ने पर तुरंत उन्हें कल्याणी जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही चकदह थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सियालदह-बलिया-सियालदह एक्सप्रेस का सोनपुर स्टेशन पर ठहरने के समय में वृद्धि

13105/13106 सियालदह-बलिया-सियालदह एक्सप्रेस के पूर्व मध्य रेलवे के तहत **सोनपुर स्टेशन पर** ठहरने के समय को परीक्षण के तौर पर **दिनांक 10.09.2025 (यात्रा आरम्भ होने की तारीख) से 08.11.2025 तक** की अवधि के लिए वर्तमान समय 2 से बढ़ा कर नीचे उल्लेखित विवरण के अनुसार **5 मिनट** कर दिया गया है : **सोनपुर में संशोधित समय-सूची:** 13105 अप सियालदह-बलिया एक्सप्रेस : **आगमन 01.10 बजे** एवं **प्रस्थान 01.15 बजे** तथा 13106 डाउन बलिया-सियालदह एक्सप्रेस: **आगमन 11.53 बजे** एवं **प्रस्थान 11.58 बजे।** **मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक**

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

गोबरडांगा में खाट के नीचे मिला कंबल में लिपटा महिला का रक्तरंजित शव

कोलकाता, समाज्ञा

उत्तर 24 परगना जिले के गोबरडांगा साहापुर इलाके में मंगलवार की सुबह खाट के नीचे से रक्तरंजित एक महिला का शव मिलने पर सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान मिठू दत्ता (43) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मिठू के देवर तथा दो बेटों से पूछताछ कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीब 10 साल पहले मिठू दत्ता के पति लापता हो गए थे। तब से वह अपने दोनों बेटों के साथ रह रही थीं। कुछ साल पहले उनका देवर भी अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़कर बड़े भाई के घर यानी मिठू के पास आकर रहने लगा। सब कुछ सामान्य चल रहा था। बताया

गया है कि सोमवार की रात अचानक मिठू दत्ता लापता हो गईं। बेटों ने मां को हर जगह तलाशा लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार की सुबह घर से दुर्गंध आने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने खाट के नीचे से महिला का रक्तरंजित शव बरामद किया। उसका चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भ्रष्टाचार के आरोपी रजिस्ट्रार की पुनर्नियुक्ति पर हैरान हाईकोर्ट

बर्दवान विश्वविद्यालय से स्पष्टीकरण तलब

कोलकाता : बर्दवान विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार सुजीत चौधरी पर करीब 2 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले का आरोप है और लंबे समय से जांच चल रही है। इसके बावजूद उन्हें फिर से पद पर बहाल करने का निर्णय लिया गया, जिसे लेकर मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताई।

मामले की सुनवाई में न्यायमूर्ति तीरथंकर घोष ने कहा, इस निर्णय से हम अत्यंत आश्चर्यचकित हैं। अदालत ने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय को विस्तार से बताना होगा कि भ्रष्टाचार के मामले में आरोपित व्यक्ति को दोबारा क्यों और

किस आधार पर नियुक्त किया गया।

हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि विश्वविद्यालय को 25 सितंबर तक हलफ़नामा पेश करना होगा। इसके बाद अन्य पक्षों को 25 अक्टूबर तक जवाब दाखिल करने की अनुमति होगी। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी।

ध्यान देने योग्य है कि प्रारंभिक जांच के बाद अदालत के आदेश पर बर्धमान विश्वविद्यालय के वित्तीय घोटाले की जांच की ज़िम्मेदारी सीआईडी से हटाकर कोलकाता पुलिस को दी गई थी ताकि निष्पक्ष और प्रभावी जांच सुनिश्चित हो सके। लेकिन अब तक केवल एक ग्रुप-डी कर्मचारी भक्त मंडल को ही गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस की धीमी जांच पर भी हाईकोर्ट ने कड़ा सवाल उठाया। न्यायमूर्ति ने साफ़ कहा, जांचाधीन भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे किसी व्यक्ति को पुनः ज़िम्मेदारी देना विधिसम्मत नहीं है। साथ ही जांच में ऐसी सुस्ती भी अस्वीकार्य है।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एनआईटी/02/25/56, दिनांक: 08.09.2025, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, 17, नेताजी सुभाष रोड, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001, पूर्व रेलवे द्वारा निम्नलिखित सामानों की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं.; निविदा सं.; विवरण; बयाना राशि : (1); 10252377;** ट्रैक्शन ब्रेकिंग स्विच इम की खरीद आदि; रु.341700, **निविदा खुलने की तिथि:** 30.10.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(2); 05251191;** ट्रैक्शन मोटर के लिए सिलिंड्रिकल रोलर बेयरिंग एनयू-328 का क्रय आदि; रु.262310, **निविदा खुलने की तिथि:** 07.10.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(3); 10251137;** हिटाची ट्रैक्शन मोटर आदि के लिए सस्पेंशन ट्यूब के सेट और इसके असेंबली कम्पोनेंट की खरीद; रु.1569410, **(4); 20251089;** 07 आइटमों से संलग्न पिन का सेट (इलेक्ट्रोप्लेटेड); रु.209210, **निविदा खुलने की तिथि:** 06.10.2025, **समय:** 13.30 बजे (क्रम सं. 3 एवं 4 के लिए), **(5); 19255011;** डाइनैमिक ब्रेकिंग फैन असेंबली आदि; रु.117030, **निविदा खुलने की तिथि:** 30.09.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(6); 15255005ए;** स्पेसिफिकेशन नं. अनेक्सर/ईओटीसी/5टी/केपीए के अनुसार ईओटी क्रेन कैपासिटी 5 टी; रु.141400, **निविदा खुलने की तिथि:** 24.09.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(7); 15255098;** 5000 एलपीएच क्षमता के ट्रांसफॉर्मर ऑयल फिल्ट्रेशन प्लांट की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण एवं आरंभ करना; रु.109740, **निविदा खुलने की तिथि:** 25.09.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(8); 20251098;** ईएमयूएस के एयर स्प्रिंग सस्पेंशन सिस्टम के लिए डम्पलेक्स चेक वाल्व 1.5+/-(प्लस-माइनस) 0.12 केजी/सेमी2 प्रेशर सेटिंग। मार्च 2023 का आरडीएसओ स्पेसि. नं. सी-के-407 (रिव.-04); रु.187050, **निविदा खुलने की तिथि:** 14.10.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(9); 05251008;** पेंट एनामेल सिंथेटिक एक्सटीरियर फिनिशिंग ब्लैक का क्रय; रु.144450, **निविदा खुलने की तिथि:** 07.10.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(10); 08251013;** केबल सिंगल कोर, 300 वर्ग मिमी., 1500 वोल्ट; रु.622910, **निविदा खुलने की तिथि:** 01.10.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(11); 20255024;** आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन नं. आरडीएसओ/एसपीएन/ टीसी/106/2025, संस्करण 3.1 या नवीनतम के अनुसार पूर्व रेलवे के ईएमयू, एमईएमयू और डीईएमयू में आईपी आधारित वीडियो सर्विलेंस सिस्टम (वीएसएस) की आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण और आरंभ करना; रु.5000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 26.09.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(12); 04245020सी;** संलग्न अनेक्सर-ए के अनुसार सॉलिड व्हील डी-920 ड्रॉ. नं. आरडीएसओ एसके नं. सीआर-835; रु.149720, **निविदा खुलने की तिथि:** 22.09.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(13); 15255022ए;** संलग्न स्पेसिफिकेशन के अनुसार हाइड्रॉलिक री-रेलिंग इक्विपमेंट की आपूर्ति, संस्थापन एवं आरंभ करना; रु.566990, **निविदा खुलने की तिथि:** 24.09.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(14); 05251067;** आईएस:-309/2023, 5वें संशोधन के तहत कम्प्रेस्ड ऑक्सीजन गैस का क्रय; रु.146430, **(15); 10255020ए;** डब्ल्यूएपी-5 के लिए गियर बॉक्स केस (मशीन्ड); रु.211080, **निविदा खुलने की तिथि:** 07.10.2025, **समय:** 13.30 बजे (क्रम सं. 14 एवं 15 के लिए), **(16); 08251107;** 25 केडब्ल्यू अल्टरनेटर के लिए इलेक्ट्रॉनिक रेक्टिफायर-कम-रेगुलेटिंग यूनिट (ईआरआरयू); रु.417020, **निविदा खुलने की तिथि:** 26.09.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(17); 21251246;** डोर चेनलेस कॉटर लॉग का क्रय; रु.151940, **निविदा खुलने की तिथि:** 29.09.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(18); 21255012;** डोर असेंबली (डबल लिंक) आदि; रु.701650, **(19); 04255013;** संलग्न 'अनेक्सर'-ए के अनुसार 25 टन (यूनिवर्सल) जमालपुर जैक के मैकेनिकल कम्पोनेंट की आपूर्ति (1 सेट में 5 आइटम संलग्न); रु.2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 06.10.2025, **समय:** 13.30 बजे (क्रम सं. 18 एवं 19 के लिए), **(20); 05251185;** सिलिंड्रिकल रोलर बेयरिंग एनयूपी-318 आदि का क्रय; रु.222720, **निविदा खुलने की तिथि:** 08.10.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(21); 05251021सी;** एलएचबी कोच के लिए एपॉक्सी पेंट, थिनर और पुट्टी का क्रय आदि; रु.206640, **निविदा खुलने की तिथि:** 09.10.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(22); 08251145ए;** मल्टी फंक्शन थ्री फेज मॉनिटरिंग रिले का क्रय आदि; रु.219820, **निविदा खुलने की तिथि:** 26.09.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(23); 01251510;** फ्लेक्सिबल पॉलीनिल क्लोराइड (पीवीसी) फ्लोरिंग शीट आदि का क्रय; रु.2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 03.11.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(24); 12254007;** आरडीएसओ ड्रॉ.नं. टी-3706 के तहत एचवीएन इंसुलेटिंग लाइनर 66 के लिए रनिंग कॉन्ट्रैक्ट; रु.2000000, **निविदा खुलने की तिथि:** 22.10.2025, **समय:** 13.30 बजे, **(25); 22255510;** इंट्राविट्रियल इंजेक्शन आइटम कोड नं.: एम161124, एआई 25-26 के लिए फैरिसिमैब 6 एमजी/0.05 एमएल सॉल्यूशन; रु.0, **(26); 22255511;** इंज. रेकॉम्बिनेंट सोमाट्रॉपिन 36 आईयू (12 एमजी/एमएल) आइटम कोड नं.: एम140302, एआई 25-26; रु.0, **निविदा खुलने की तिथि:** 22.09.2025, **समय:** 13.30 बजे (क्रम सं. 25 एवं 26 के लिए)। **निविदा मूल्य:** रु. 0 (क्रम सं. 1 से 26 के लिए)। **टिप्पणी:** उपर्युक्त सभी निविदाएँ ई-निविदाएँ हैं एवं सभी निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि आईआरईपीएस की वेबसाइट **https:// www.ireps.gov.in** के माध्यम से अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। ऊपर उल्लिखित निविदाओं एवं अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में विस्तृत विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस की वेबसाइट देखें। STORES-33/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

जयनगर में अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

❑ **पुलिस ने छापेमारी में भारी मात्रा में बारूद और उपकरण किए बरामद**

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य पुलिस ने दक्षिण 24 परगना जिला के जयनगर मजिलपुर नगरपालिका के वार्ड 6 के हसनपुर इलाके में छापेमारी कर एक अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान, भारी मात्रा में हथियार बनाने के उपकरण, लगभग दो किलो गन पाउडर, वेल्डिंग मशीन और ड्रिल मशीन बरामद की। साथ ही, मौके से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों के नाम भबेन पाल और फिरोज गाजी है। फिरोज गाजी पहले भी एक पुराने हत्या के मामले में अभियुक्त रह चुका है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सब डिविजनल पुलिस

ऑफिसर(एसडीपीओ) अभिषेक रंजन के नेतृत्व में करीब 15 पुलिस कर्मी सोमवार की देर रात हसनपुर पहुंचे। वहां एक अधनिर्मित मकान किराए पर लेकर अंदर हथियार तैयार किए जा रहे थे। छापेमारी के दौरान उनकी टीम को हथियार बनाने का सामान और कई मशीनें मिलीं। अभिषेक रंजन ने बताया कि मौके से मिले उपकरणों से यह साफ है कि यहां लंबे समय से हथियार बनाए जा रहे थे। अब यह पता लगाया जाएगा कि इनके पीछे कौन लोग हैं और इन हथियारों का इस्तेमाल कहां होना था। अधिकारियों ने बताया कि मकान तीन महीने पहले किराए पर लिया गया था। रहने का बहाना बनाकर यहां हथियारों का कारोबार चलाया जा रहा था। हथियार किसी आपराधिक वारदात में इस्तेमाल के लिए तैयार किए जा रहे थे। फिलहाल, इस बात की जांच की जा रही है कि इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह सक्रिय है या नहीं। इस पूरे मामले में अभी तक किसी तरह के राजनीतिक संबंध सामने नहीं आए हैं। दोनों आरोपितों को बारुईपुर महकमा अदालत में पेश कर कस्टडी के लिए अर्जी दी है जिससे पूछताछ कर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

एसबीआई कस्टमर केयर के नाम पर साइबर ठगी, दो गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के श्यामनगर में एसबीआई कस्टमर केयर एक्जिक्यूटिव बनकर साइबर ठगी करने का मामला सामने आया है। अज्ञात नंबर से आए फोन कॉल पर मनोहर तेज सोनेग ने अपने बैंक खाते की गोपनीय जानकारी साझा कर दी। इसके बाद, अपराधियों ने उनके खाते से चार लाख 58,999 की रकम निकाल ली। शिकायत दर्ज होने के बाद बसुदेवपुर थाना पुलिस ने जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान अब तक एक लाख 24 हजार 424 की राशि वापस दिलाई गई है। पुलिस ने सबंग से सबुज भुइंया और पटाशपुर से सुरजीत जाना को गिरफ्तार किया है। बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से मंगलवार को जारी बयान में बताया गया है कि इस वारदात में उनके कई

साथी शामिल रहे हैं जिनके बारे में पूछताछ कर पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि बैंक कभी भी फोन पर ओटीपी या पासवर्ड नहीं मांगता। इसलिए किसी भी संदिग्ध कॉल पर बैंक संबंधी जानकारी साझा न करने की हिदायत दी गई है।

अब मनमाने ढंग से नहीं चल पाएंगे टोटो, ऑटो की तरह तय होंगे रूट

❑ **राज्य सरकार का बड़ा कदम**

कोलकाता : अब टोटो भी ऑटो की तरह निश्चित रूट पर ही चल पाएंगे। मनचाहे ढंग से यात्रियों को कहीं भी ले जाने की छूट खत्म होने जा रही है। राज्य सरकार ने इन तीनपहिया वाहनों पर सख्ती करने का फ़ैसला लिया है।

सोमवार को परिवहन विभाग ने इस मुद्दे पर सभी ज़िला प्रशासन, नगर पालिका, टोटो संगठनों और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में टोटो संचालन को लेकर नई गाइडलाइन साफ़ कर दी गई।

बैठक में तय हुआ कि-

❑ हर टोटो का ज़िला स्तर पर स्थानीय प्रशासन के माध्यम से पंजीकरण किया जाएगा।

❑ सभी टोटो को नंबर प्लेट दी जाएगी, जिस पर क्यूआर कोड रहेगा। स्कैन करके यह पता चल सकेगा कि कोई टोटो अपनी तय रूट से बाहर तो नहीं जा रहा।

❑ टोटो की सही संख्या का पता लगाने के लिए गिनती (शुमारी) भी की जाएगी।

❑ एक व्यक्ति के नाम पर एक से अधिक टोटो का रजिस्ट्रेशन रद्द करने का प्रस्ताव भी आया है।

सरकार का एक और बड़ा फ़ैसला है कि अब टोटो पर वार्षिक टैक्स लगाया जाएगा। अभी तक इनसे कोई टैक्स नहीं लिया जाता था।

परिवहन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस समय सड़क पर चल रहे ज़्यादातर टोटो अवैध हैं। इन्हें धीरे-धीरे ई-रिक्शा में बदला जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि टोटो आम तौर पर दो से तीन साल ही चलते हैं, इसलिए उन्हें बदलते समय ई-रिक्शा से रिप्लेस कर दिया जाएगा।

वर्तमान में न तो टोटो की सही संख्या प्रशासन के पास है और न ही इनके लिए कोई तय रूट। ऐसे में सरकार चाहती है कि टोटो को नंबर प्लेट देकर और रूट निश्चित कर व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। नगरपालिकाओं और यूनियनों को मिलकर रूट निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है। जिन रूटों पर टोटो की संख्या ज़्यादा होगी, वहां रोटेशन सिस्टम लागू किया जाएगा।

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

'जुल्म करोगे तो जनता उखाड़ फेंकेगी', पार्टी के अंदरूनी कलह पर बोले मंत्री सिद्दिकुल्ला चौधरी

मंत्री ने अपनी कार पर हुए हमले को लेकर पार्टी के ही एक नेता पर कसा तंज

पूर्व बर्दवान : राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में इन दिनों अंदरूनी कलह खुलकर सामने आ रही है। मंगलवार को एक कार्यक्रम में राज्य के पुस्तकालय मंत्री सिद्दिकुल्ला चौधरी ने अपनी ही पार्टी के नेता और मन्तेश्वर पंचायत समिति के अध्यक्ष अहमद हुसैन शेख पर सीधा हमला बोला। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर किसी ने जुल्म किया तो जनता उसे उखाड़ फेंकेगी।

सिद्दिकुल्ला चौधरी ने कहा कि सिद्दिकुल्ला चौधरी को अगर मारोगे तो हजारों सिद्दिकुल्ला पैदा होंगे। जिस तरह जनता ने सीपीएम को सत्ता से बाहर किया, उसी तरह किसी एक नेता को हटाने में देर नहीं लगेगी। उल्लेखनीय है कि करीब दो महीने पहले कालना के कुसुमग्राम इलाके में सिद्दिकुल्ला चौधरी की गाड़ी पर हमला हुआ था। उस दौरान उनके समर्थकों पर भी हमला किया गया था। इस मामले में कई तृणमूल कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था। सोमवार की शाम मालडांगा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में मंत्री ने उसी घटना को लेकर फिर से आवाज उठाई। इस दिन, उन्होंने मन्तेश्वर पंचायत समिति के अध्यक्ष अहमद हुसैन शेख को निशाना बनाते हुए कहा कि पार्टी के साथ जुल्मबाजी करोगे तो जनता खुद तुम्हें हटा देगी। अगर खुद को काबू में नहीं रखोगे तो नुकसान तुम्हारा ही होगा। पार्टी को मंत्री की सलाह की जरूरत नहीं पड़ेगी, पार्टी खुद ही गलत काम करने वालों के हाथ-पांव तोड़कर बाहर कर देगी। सिद्दिकुल्ला ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि अगर कोई नेता धमकाता है तो तुरंत फोन करके इसकी जानकारी दें। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मैं देखना चाहता हूं कि कौन इतना बड़ा लाटसाहब बन गया है, जो कार्यकर्ताओं को डरा रहा है। पार्टी में कोई भी व्यक्ति बड़े से बड़ा नेता क्यों न हो, वह अनुशासन से ऊपर नहीं है।

रवींद्रनाथ टैगोर का पोस्टर जलाने के मामले में निष्कासित टीएमसीपी नेता गिरफ्तार

❑ **तृणमूल ने आरोपी छात्र को किया निष्कासित, चांचल कॉलेज की टीएमसीपी इकाई भंग**

मालदह : जिले के चांचल में केंद्र सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर का पोस्टर जलाने के मामले में तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के चांचल कॉलेज इकाई के पूर्व अध्यक्ष ए.बी. सोयल उर्फ नसीमुल हक को पुलिस ने सोमवार की रात गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तस्वीरों के साथ-साथ कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर की तस्वीर भी जलाई गई थी। इस मामले में एक स्थानीय निवासी ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, ए.बी. सोयल को चांचल के नयाटोला स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया गया। बताया गया कि वह इस पूरे मामले के मुख्य आरोपियों में से एक है। वायरल वीडियो के आधार पर अन्य आरोपितों की पहचान की जा रही है। बता दें कि घटना दो सितंबर की है, जब चांचल कॉलेज के सामने टीएमसीपी ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। कार्यक्रम का नेतृत्व यूनिट अध्यक्ष ए.बी. सोयल ने किया था। उस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की तस्वीरें जलाए जाने की बात सामने आई थी। लेकिन, पांच दिन बाद आरोप लगा कि उसी समय रवींद्रनाथ ठाकुर की तस्वीर भी जलाई गई। इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था। विवाद बढ़ने के बाद टीएमसीपी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ए.बी. सोयल को संगठन से निष्कासित कर दिया और चांचल कॉलेज की पूरी यूनिट को भंग कर दिया। सोमवार की दोपहर तृणमूल छात्र परिषद के प्रदेश अध्यक्ष तृणांकुर भट्टाचार्य ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर इस निर्णय की घोषणा की। विज्ञप्ति में स्पष्ट कहा गया कि विश्वकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर के प्रति असम्मानजनक टिप्पणी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गिरफ्तार छात्र नेता को मंगलवार को चांचल महकमा अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस ने उसके खिलाफ कई गैर-जमानती धाराओं में मामला दर्ज किया है और बाकी आरोपितों की तलाश जारी है।

इंटीरियो बाय गोदरेज ने पेश की नई रणनीति

कोलकाता : गोदरेज एंटरप्राइज़ेज़ समूह के प्रमुख फर्नीचर ब्रांड, इंटीरियो बाय गोदरेज ने घर और कार्यस्थल में आधुनिक भारतीय जीवन के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन (सर्व-सुविधा केंद्र) के रूप में अपनी नई ब्रांड पहचान का अनावरण किया है। यह बदलाव ओम्नीचैनल खुदरा विस्तार, भविष्य के लिए तैयार उत्पाद पोर्टफोलियो और डिज़ाइन-केंद्रित नवोन्मेष पर आधारित है। यह रीब्रांडिंग गोदरेज एंटरप्राइज़ेज़ ग्रुप द्वारा 2024 में घोषित पुनर्ब्रांडिंग रणनीति पर आधारित है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप की कार्यकारी निदेशक, नायरिका होल्कर ने कहा: हम बेहतरीन डिज़ाइन को सुलभ बनाना चाहते हैं। उद्योग जगत में अग्रणी होने के नाते, हम डिज़ाइन और निर्माण से लेकर खुदरा और सेवा तक, अपने संपूर्ण समाधानों के साथ इस वादे को पूरा करने की शानदार स्थिति में हैं।

मतुआ समुदाय पर विवादित टिप्पणी

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ हरिणघाटा थाने में प्राथमिकी

कल्याणी : तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के कथित अपमानजनक बयान से विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। बांगां में शिकायत दर्ज होने के बाद अब मतुआ समाज के लोगों ने हरिणघाटा थाने में भी उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। समुदाय ने त्वरित और सख्त कदम उठाने की मांग की है।

हाल ही में एक जनसभा के दौरान महुआ मोइत्रा ने मतुआ समुदाय को लेकर टिप्पणी की थी, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इसके बाद से ही राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। मतुआ महासंघ की लीगल सेल ने पहले ही बांगां थाने में मामला दर्ज कराते हुए अदालत जाने

की चेतावनी दी थी। साथ ही, ऑल इंडिया मटुआ महासंघ ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर उचित कार्रवाई की अपील की थी।

अब हरिणघाटा थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद विवाद और गहरा गया है, वहीं विपक्ष भी इसे लेकर सरकार और तृणमूल कांग्रेस पर हमलावर है।

पीएचडी स्कॉलरशिप से वंचित माओवादी नेता 5 दिन से अनशन पर

एपीडीआर ने मुद्दे को सुलझाने के लिए कुलपति से की बातचीत

बर्दवान : पीएचडी रिसर्च के दौरान स्कॉलरशिप से वंचित माओवादी नेता रहे अर्णब दाम बर्दवान केंद्रीय सुधार गृह में बीते शुक्रवार से अनशन पर बैठे हैं। उनकी ओर से आवाज उठाने के लिए मानवाधिकार संगठन एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ डेमोक्रेटिक राइट्स (एपीडीआर) की छह सदस्यीय टीम बर्दवान विश्वविद्यालय के कुलपति शंकर कुमार नाथ से मिली। कुलपति ने मंगलवार को बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अर्णब दाम का आवेदन संबंधित विभाग में भेज दिया गया है।

इसके अलावा, फीस माफी सहित अन्य सभी सुविधाएं दी जा चुकी हैं। हालांकि, विश्वविद्यालय की ओर से अलग से कोई छात्रवृत्ति शुरू करने पर अभी तक विचार नहीं हुआ है। एपीडीआर की टीम बाद में अर्णब दाम से मिलने सुधार गृह पहुंची, लेकिन उन्हें अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद, वे गेट के सामने ही बैठ गए। अंततः जेल प्रशासन ने फोन पर अर्णब से उनकी बात कराई। संगठन के सदस्यों ने उन्हें अनशन खत्म करने का आग्रह किया, जिस पर अर्णब ने विचार करने की बात कही।

बता दें कि अर्णब दाम, जिन्हें साथी कार्यकर्ता 'कॉमरेड विक्रम' के नाम से भी जानते हैं, ने कॉलेज सर्विस कमीशन की परीक्षा (सेट) में अच्छे अंक हासिल किए थे। उनका सपना था कि वे जादवपुर या प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय से शोध करें। फिलहाल, वे बर्दवान विश्वविद्यालय में इतिहास विषय पर शोधरत हैं। उनका आरोप है कि रिसर्च स्कॉलरशिप का कोई भी भुगतान उन्हें अब तक नहीं मिला है। किताबें खरीदने और अध्ययन सामग्री जुटाने तक के लिए उनके पास पैसे नहीं हैं। इसी स्थिति से क्षुब्ध होकर उन्होंने जेल में ही अनशन शुरू कर दिया।

शिक्षक दिवस पर सरस्वती भंडार ने संवेदनशील बच्चों के शिक्षकों को किया सम्मानित

कोलकाता, समाज्ञा : शिक्षक दिवस के अवसर पर सरस्वती भंडार ने विशेष बच्चों के शिक्षकों को सम्मानित कर उनके योगदान को सराहा। शिक्षक वह कंपास होते हैं जो विद्यार्थियों के भीतर जिज्ञासा, ज्ञान और प्रज्ञा के चुम्बक को सक्रिय करते हैं। विशेष बच्चों के शिक्षक निःस्वार्थ भाव से बिना किसी पारिश्रमिक की अपेक्षा किए, बच्चों के मन और शरीर को समझते हुए उनमें ज्ञान का प्रकाश फैला रहे हैं। सरस्वती भंडार की संस्थापिका झरना भट्टाचार्य ने संवेदन के अधिकारियों के साथ मिलकर शिक्षकों को बच्चों की जरूरत की आवश्यक सामग्री भी भेंट की। झरना भट्टाचार्य के अनुसार, जिनके ऊपर प्रकाश नहीं पड़ता, वहां तक प्रकाश पहुंचाना ही सरस्वती भंडार का लक्ष्य है। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बेनेवोलेंस, एमसीकेवी के सीईओ पार्थ सारथी चक्रवर्ती, वकील सौरव साहा चौधरी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, डबल्यूएचआरपीसी), अरुप रतन आचार्य (विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार, सेठ आनंदराम जयपुरिया कॉलेज) सहित अनेक विशिष्ट व्यक्तित्व और शिक्षक उपस्थित थे। झरना भट्टाचार्य ने सभी को सम्मानित किया।

हावड़ा डिवीजन ने स्वच्छ भारत अभियान में विशेष इंटेंसिव सफाई अभियान चलाया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत मंगलवार को एक विशेष इंटेंसिव सफाई अभियान आयोजित किया। इस अभियान का उद्देश्य रेलवे ट्रैक के किनारों, स्टेशन परिसरों, रेलवे कॉलोनियों और आसपास के क्षेत्रों से कचरा एवं अपशिष्ट सामग्री को हटाना था। सफाई कार्य रामपुरहाट, श्रीरामपुर, वर्दवान और कामरकुंडु जैसे प्रमुख स्थानों पर किया गया, जिसमें रेलवे कर्मचारी, संविदा कर्मी और स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान के दौरान ट्रैक और आसपास के क्षेत्रों की सफाई के साथ ही रेलवे कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के लिए स्वच्छ वातावरण बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान

दिया गया। पूर्व रेलवे ने बताया कि यह पहल यात्रियों और कॉलोनी निवासियों के लिए स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर वातावरण सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, साथ ही राष्ट्रीय मिशन स्वच्छ भारत अभियान में भी योगदान देती है।

सरसुना में तालाब से बरामद हुई 10 वर्षीय बच्ची की लाश, डूबने से मौत की आशंका

कोलकाता : दक्षिण-पश्चिम कोलकाता के सरसुना थाना इलाके में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। 10 वर्षीय तितली विश्वास नामक नाबालिग बच्ची का शव उसके घर के पास पद्मापुकुर तालाब से बरामद हुआ। प्राथमिक जांच में डॉक्टरों ने इसे डूबने का मामला बताया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 9 बजे से बच्ची घर से लापता थी। स्थानीय लोगों ने तालाब में उसका एक चप्पल तैरता देखा और तुरंत पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस और डीएमजी कर्मी मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान शुरू किया। इसी बीच करीब 11:50 बजे तालाब के दूसरी ओर बच्ची का शव तैरता हुआ दिखाई पड़ा।

मृतका की पहचान उसके पिता सुमन विश्वास और मां श्यामली विश्वास ने की। बच्ची को तत्काल विद्यासागर एस.जी. अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव की हालत से स्पष्ट था कि बच्ची की मौत पानी में डूबने से हुई है, क्योंकि उसके मुंह से झाग निकल रहा था और शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं थे।

पुलिस जांच में सामने आया कि बच्ची चौथी कक्षा की छात्रा थी और सरसुना गर्ल्स प्राइमरी स्कूल में पढ़ती थी। वह अक्सर पानी लाने, कपड़े धोने और नहाने के लिए पास के तालाब जाती थी। घटना के समय उसके माता-पिता काम पर गए हुए थे और उसने अपनी छोटी बहन की देखभाल करनी थी। मृतका तैरना नहीं जानती थी।

घटना को लेकर किसी तरह का आपराधिक संदेह या साजिश अब तक सामने नहीं आया है। न तो परिजनों और न ही स्थानीय लोगों ने कोई शिकायत दर्ज कराई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी डॉक्टर ने स्पष्ट किया है कि यह साधारण डूबने की घटना है।

सरसुना थाने की पुलिस मामले की औपचारिक जांच कर रही है।

आत्महत्या रोकथाम के लिए संवेदनशील समाज की जरूरत : नीरजा बिड़ला

कोलकाता, समाज्ञा : विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के मौके पर आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट की संस्थापक एवं अध्यक्ष नीरजा बिड़ला ने कहा कि आत्महत्या के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए केवल संस्थागत प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज को मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर खुलेपन और संवेदनशीलता के साथ आगे आना होगा। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में भारत में 1,70,924 लोगों ने आत्महत्या की। यानी हर दिन औसतन 468 लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। नीरजा बिड़ला ने कहा कि ये आंकड़े केवल संख्याएं नहीं हैं, बल्कि ऐसी कहानियां हैं जिनकी पीड़ा अक्सर परिवार, मित्रों या सहकर्मियों तक को नजर नहीं आती।

उन्होंने कहा कि हेल्पलाइन और औपचारिक सहायता तंत्र बढ़ रहे हैं, लेकिन सच्ची रोकथाम तभी संभव है जब लोग शुरुआती संकेतों को पहचानें, मानसिक स्वास्थ्य पर बिना किसी हिचकिचाहट के बातचीत करें और घर, स्कूल व कार्यस्थलों पर ऐसा माहौल बनाएं जहां लोग मदद मांगने में सहज महसूस करें। नीरजा बिड़ला ने समाज से अपील की कि हर कोई बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनने की आदत डाले और यह सुनिश्चित करे कि कोई भी व्यक्ति अपनी पीड़ा को अकेले न झेले। उन्होंने कहा कि जीवन में यू-टर्न लेना हार मानना नहीं है, बल्कि यह उपचार और एक नई राह की ओर बढ़ने का संकेत है।

आरजी कर पीड़िता की मां की पिटाई के मामले में आज होगी सुनवाई

कोलकाता : नवान्न अभियान के दौरान आरजी कर अस्पताल की पीड़िता के माता-पिता पर पुलिस द्वारा अत्याचार किए जाने के आरोप से जुड़ा मामला मंगलवार को अदालत में सुनवाई के लिए आया। हालांकि, सुनवाई स्थगित कर दी गई और अब इस मामले की सुनवाई आज यानि बुधवार को की जाएगी। बिचारपती तीर्थंकर घोष ने निर्देश दिया कि अदालत पीड़िता की मां का मेडिकल रिपोर्ट देखेगी। गौरतलब है कि नबन्ना अभियान के दिन पुलिस की मारपीट के बाद पीड़िता की मां को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। रिपोर्ट अदालत के सामने पेश होने के बाद न्यायाधीश आगे का निर्णय लेंगे।

कोलकाता मेट्रो ने 8 सितंबर को आठ लाख यात्रियों को सेवाएं दी

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता मेट्रो ने 08 सितंबर को सभी कॉरिडोर पर लगभग 8 लाख यात्रियों को सेवाएं प्रदान कीं। ब्लू लाइन पर लगभग 5.70 लाख यात्री यात्रा कर चुके हैं, जबकि ग्रीन लाइन पर यह संख्या 2.09 लाख रही। मेट्रो रेलवे, कोलकाता द्वारा प्रदान की जा रही सुचारु सेवाओं के कारण अधिक से अधिक यात्री मेट्रो की ओर रुख कर रहे हैं। भीड़ और लंबी कतारों से बचने के लिए यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे स्मार्ट कार्ड या मोबाइल क्यूआर टिकट जैसे डिजिटल टिकटिंग माध्यम का उपयोग करें। मोबाइल ऐप या रिचार्ज के समय बुकिंग करने पर यात्रियों को 5% बोनस/रियायत भी मिलती है। पिछले तीन दिनों के दौरान, मेट्रो रेलवे और पूर्व रेलवे द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विशेष अभियान के तहत कुल 7016 नए स्मार्ट कार्ड जारी किए गए। यह पहल मेट्रो यात्रा को और सुविधाजनक और डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बड़ाबाजार जिला कांग्रेस ने पोस्ता थाना का किया घेराव, सौंपा ज्ञापन

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष व पार्षद संतोष पाठक के निर्देश पर बड़ाबाजार जिला कांग्रेस कमेटी के सभापति भोला यादव के नेतृत्व मे तारासुंदरी पार्क के पास से जुलूस निकाली गई, जो विभिन्न रास्तों से होते हुए पोस्ता थाना का घेराव किया। भोला यादव ने कहा कि बड़ाबाजार के वार्ड 22 के नलिनी सेठ रोड पर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा को रविवार की रात असामाजिक तत्वों ने खण्डित कर दिया था। इस निंदनीय कृत्य के विरोध में स्थानीय पोस्ता थाना का घेराव कर थाना प्रभारी को ज्ञापन दिया गया एवं दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी व कड़ी सजा की मांग की। इस मौके पर रबिंद्र तिवारी, कालीनाथ सिंह, नागेश सिंह, उत्तम सोनकर, सुभाष सिंह, शिवजी पांडे, विक्रम सिंह, सुनील चौबे, शिवराज बाल्मीकि, राजनरायन मिश्रा, अशोक दुबे, पंकज सोनकर, विकाश यादव, मो:सरफराज, रोहित पाठक, ज्वालाप्रताप सिंह, शम्मी तिवारी, वीरेंद्र खरवार, मो:हुसैन, अकीब जहूर,प्रकाश सोनकर, अंजनी दुबे, कुणाल चतुर्वेदी, संजीव जैन व अन्य सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

'कृपया मेरी मां को जल्द घर भेज दें', पांच साल के बच्चे ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

❑ **काम के सिलसिले में बच्चे की मां रहती हैं उत्तर दिनाजपुर में**

आसनसोल : आसनसोल के पांच साल के एक बच्चे ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक भावुक पत्र लिखा है। उसने अपनी मां का ट्रांसफर घर के पास करने की गुजारिश की है। ऐतिज्य दास की मां स्वागता पेन प्राइमरी स्कूल की एक टीचर हैं। उनकी नौकरी 2021 में लगी थी और अब वे अपने घर से करीब 600 किलोमीटर दूर उत्तर दिनाजपुर में पढ़ाती हैं। इस वजह से वे बहुत कम घर आ पाती हैं। ऐतिज्य दास ने मुख्यमंत्री बनर्जी को लिखे पत्र में उन्हें 'ममता दीदुन' कहा है। उसने पत्र में कहा कि मेरा घर आसनसोल में है। मेरी मां उत्तर दिनाजपुर में एक स्कूल टीचर हैं, इसलिए हमसे दूर वहां रहती हैं। वह लंबे वक्त के बाद घर आती हैं। मैं यहां अपने पिता और दादा के साथ रहता हूं। उनके बिना रहना मुझे बहुत

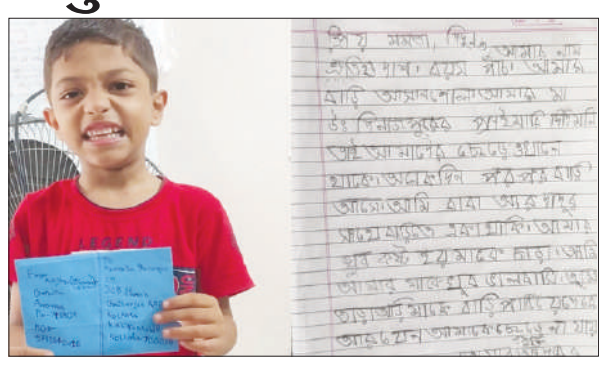

दुखद लगता है। मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं। कृपया मेरी मां को जल्द घर भेज दें और सुनिश्चित करें कि उन्हें अब हमसे दूर न रहना पड़े।

❑ **वह शायद हमारी बात सुन लेंगी : ऐतिज्य दास की मां**

स्वागता ने बताया कि वह ट्रांसफर के लिए कोशिश कर रही हैं, लेकिन कई दफ्तरों को पत्र लिखने के बावजूद उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है। ऐतिज्या की मां स्वागता ने कहा कि हम अपने नजदीकी इलाकों में तबादले के लिए कई बार आवेदन भेज चुके हैं। जब मेरे बेटे ने मुझे मुख्यमंत्री को पत्र लिखते देखा, तो उसने भी खुद एक पत्र लिखने की सोची। उसे लगता है कि अगर कोई यह संभव कर सकता है, तो वह मुख्यमंत्री ही हैं। उसे भरोसा है कि अगर वह अपने दिल की बात सीधे दीदी को लिखेगा, तो शायद वे उसकी बात जरूर सुनेंगी।

पूर्व रेलवे की आरपीएफ ने 'ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते' के तहत 11 बच्चों को बचाया

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल ने बाल संरक्षण और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए 'ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते' के तहत 11 बच्चों को बचाया। यह ऑल इंडिया स्तर पर चलाया जाने वाला विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य रेलवे परिसर में पाए जाने वाले असुरक्षित व संवेदनशील बच्चों को सुरक्षित करना है। 8 सितंबर को आसनसोल, मालदह और हावड़ा डिवीजन की आरपीएफ टीमों ने आसनसोल, दुमका, बरहरवा, शक्तिगढ़ और हावड़ा रेलवे स्टेशनों से कुल 11 बच्चों (5 लड़के और 6 लड़कियां) को रेस्क्यू किया। सभी बच्चों को तुरंत परामर्श और पुनर्वास की व्यवस्था के लिए संबंधित चाइल्डलाइन अधिकारियों को सौंप दिया गया। रेस्क्यू किए गए बच्चों में से एक बच्चा आसनसोल स्टेशन पर बिना उद्देश्य भटकता पाया गया। वहीं, दो लड़के और तीन लड़कियां पारिवारिक कलह के कारण अपने घरों से भाग गए थे। इसके अलावा, दो लड़के और तीन लड़कियां, जिन्हें उनकी मां ने बैंची से शक्तिगढ़ जाने के लिए कहा था, स्टेशन पर अकेले रह गए क्योंकि उनकी मां समय पर वहां नहीं पहुंची। आरपीएफ की त्वरित कार्रवाई से इन बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी और उन्हें संभावित खतरों से बचा लिया गया।

शांतिपुर में व्यवसायी की हत्या मामले में मुख्य आरोपी जलपाईगुड़ी से गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिला के शांतिपुर थाने की पुलिस ने व्यवसायी हाशिम मंडल हत्याकांड में लंबी जांच के बाद मुख्य आरोपी मामून शेख को जलपाईगुड़ी से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गत 28 अगस्त को शांतिपुर थाना अंतर्गत साहेबडांगा के मिर्धापाड़ा इलाके में सड़क किनारे हाशिम मंडल का रक्तरंजित शव बरामद हुआ था। शुरुआती जांच में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ में पता चला कि हत्या का मुख्य मास्टरमाइंड नदिया के चापड़ा थाना अंतर्गत हाटखोला गांव का रहने वाला मामून शेख है। कथित तौर पर, मामून ने जमीन के लेन-देन के आधार पर हाशिम मंडल से बड़ी रकम की मांग

की थी। लेकिन जब हाशिम ने पैसे देने से इनकार कर दिया, तो उसकी योजनाबद्ध तरीके से हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपी इलाके से फरार हो गया। आखिरकार, शांतिपुर थाने की पुलिस ने सोमवार की रात उसे जलपाईगुड़ी से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति को मंगलवार को रानाघाट अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने सात दिन की हिरासत के लिए आवेदन किया है।

हालांकि, मामून शेख अदालत में पेशी के दौरान अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया। पुलिस का दावा है कि इस गिरफ्तारी से पूरे हत्याकांड का रहस्य उजागर करने में मदद मिलेगी।

सियालदह डिवीजन ने यात्रियों की सुविधा के लिए एसी ईएमयू लोकल में अतिरिक्त ठहराव किया शुरू

कोलकाता, समाज्ञा

सियालदह डिवीजन ने उपनगरीय यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एसी ईएमयू लोकल में अतिरिक्त ठहराव शुरू करने का निर्णय लिया है। हाल ही में सियालदाह-राणाघाट, सियालदह-बनगांव-राणाघाट और सियालदह-कृष्णनगर मार्गों पर तीन जोड़ी एसी लोकल सेवाएं शुरू की गई थीं, जिन्हें यात्रियों से भारी समर्थन मिला। इसी प्रतिक्रिया और बढ़ती मांग को देखते हुए, 15 सितंबर 2025 से एक महीने के लिए प्रयोगात्मक आधार पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा।

इसके तहत, 31637/31638 सियालदाह-राणाघाट एसी लोकल अब श्याम नगर और बेलघरिया में रुकेगी, जबकि 33761/33762 सियालदह-बनगांव-राणाघाट एसी ईएमयू चांदपुरा, मछलंदपुर, अशोक नगर रोड, बीरा और बिराटी में ठहरेगी।

इस अवधि के दौरान मंथली सीजन टिकट जारी नहीं किए जाएंगे और नए ठहराव के यात्रियों का डेटा एकत्र कर इसकी प्रभावशीलता का विश्लेषण किया जाएगा। सियालदह डिवीजन के डीआरएम राजीव सक्सेना के मार्गदर्शन में यह पहल आधुनिक सुविधाओं और प्रीमियम सेवाओं के माध्यम से यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने तथा मौजूदा सेवाओं में भीड़ को कम करने का महत्वपूर्ण कदम है। एसी लोकल सेवाओं की शुरुआत से उपनगरीय यात्रा का अनुभव और सुविधाजनक हुआ है।

वेलैंड गोल्डस्मिथ स्कूल में हिंदी कविता आवृत्ति प्रतियोगिता का सफल आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा

उत्तर कोलकाता स्थित प्रतिष्ठित वेलैंड गोल्डस्मिथ स्कूल में हिंदी कविता आवृत्ति प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता को तीन विभागों में विभाजित किया गया था। विभाग 'क' में कक्षा 6 से 8, विभाग 'ख' में कक्षा 9 और 10, जबकि विभाग 'ग' में कक्षा 11 और 12 की छात्राओं ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने आधुनिक काल के कवियों की रचनाओं का सजीव और प्रभावशाली आवृत्ति कर दर्शकों का मन मोह लिया। निर्णायक मंडल में

कलकत्ता बॉयज स्कूल के डॉ. त्रिलोकनाथ पांडेय तथा लोरेटो डे स्कूल, धर्मतला की वरिष्ठ अध्यापिका बबीता दुबे सम्मिलित रहीं। निर्णायकों ने छात्राओं की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और छात्राओं की साहित्यिक अभिरुचि सराहनीय है।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की वरिष्ठ हिंदी अध्यापिका अनुपमा इमाम ने किया। प्रतियोगिता का समापन डॉ. त्रिलोकनाथ पांडेय की कविता-पाठ से हुआ, जिसने समारोह को एक विशेष गरिमा और भावपूर्ण परिणति प्रदान की।

आमता अस्पताल से चोरी हुए बच्चे को पुलिस ने छह घंटे के भीतर किया बरामद

❑ महिला गिरफ्तार
❑ दवा खिलाने के नाम पर बच्चे को लेकर गायब हो गई थी महिला

हावड़ा, समाज्ञा : जिले के आमता ग्रामीण अस्पताल से 11 दिन का बच्चा चोरी होने की घटना के 6 घंटे के अंदर पुलिस ने जांच कर चोरी हुए बच्चे को बरामद कर लिया। इस मामले में पुलिस ने पिंकी बाग नाम की एक महिला को गिरफ्तार किया है। बता दें कि बच्चा चोरी होने की घटना से मंगलवार की सुबह अस्पताल परिसर में माहौल गरमा गया। आरोप है कि परिजनों ने अस्पताल

के आपातकालीन विभाग में व्यापक तोड़फोड़ की गई। आरोप है कि कुर्सियां, मेजें और अलमारियां पलट दी गईं। इस बीच, उलुबेरिया उत्तर के विधायक निर्मल माजी ने कहा कि इस तोड़फोड़ के पीछे एक साजिश है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आमता के चंद्रपुर इलाके की निवासी मंदिरा बाग ने 10 दिन पहले एक निजी अस्पताल में बेटे को जन्म दिया था। बाद में, जब मां और बेटे को छुट्टी मिली तो परिवार घर लौट आया। शनिवार को नवजात की तबीयत खराब हो गई। इसके बाद, परिवार ने मां और बच्चे को आमता अस्पताल ले गये। बच्चे को उस अस्पताल में भर्ती कराया गया। मां भी उसके साथ अस्पताल में रह रही थी। इस दिन, सुबह में आरोप है कि अस्पताल से बच्चा चोरी हो गया। सूचना मिलने पर आमता थाना पुलिस घटना की जांच करने गई। अस्पताल में कोई सीसीटीवी नहीं है। परिणामस्वरूप, आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी की मदद से घटना पर नजर रखी गई। हावड़ा के ग्रामीण इलाके के पुलिस अधीक्षक सुबीमल पाल खुद पूरे मामले की जांच कर रहे थे। जिले भर के विभिन्न थानों को सूचित किया गया। उन्हें विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी पर नजर रखने के लिए कहा गया था। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पिंकी बाग नामक महिला की पहचान बाहर के एक सीसीटीवी से की गई। जांचकर्ता महिला के घर की खोज करने के बाद वहां पहुंचे। चोरी हुए बच्चे को घर से बरामद किया गया। महिला ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि उसका गर्भपात हो जाने के कारण वह निःसंतान थी। वह लंबे समय से बच्चा पैदा करने की कोशिश कर रही थी। इस दिन, उसने मौका पाकर बच्चे को घर ले आयी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

खानाकुल में जल परियोजना को लेकर हंगामा

❑ ग्रामीणों पर हमले का आरोप तृणमूल नेता के खिलाफ

हुगली : सरकारी जल परियोजना में घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने के आरोप को लेकर खानाकुल के 1 नंबर ग्राम पंचायत के सुलुट इलाके में तनाव फैल गया। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत प्रमुख सबीना बेगम के पति तथा तृणमूल के दबंग नेता हाफिजुर रहमान उर्फ खोकन ने विरोध जताने वाले निर्दोष ग्रामीणों पर हमला किया।

जानकारी के अनुसार, सुलुट इलाके में 1 लाख 72 हजार रुपये की लागत से जल परियोजना के तहत सब-मर्सिबल पंप लगाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि काम में बेहद निम्न स्तर की सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। आरोप है कि ठेकेदार से पंचायत प्रमुख के पति हाफिजुर रहमान ने कटमनी ली है, जिसके कारण काम की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

तृणमूल के ही पंचायत सदस्य राखिबुल इस्लाम ने भी ग्रामीणों के आरोपों का समर्थन किया और परियोजना की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। ग्रामीणों के दबाव में ठेकेदार ने काम रोक दिया। इसी गुस्से में हाफिजुर रहमान ग्रामीणों पर भड़क गए और पंचायत सदस्य राखिबुल इस्लाम को भी धमकी दी। हालांकि ग्रामीणों के संयुक्त विरोध के चलते उन्हें पीछे हटना पड़ा।

स्थानीय निवासी सूरज अली और शेख अल्ला राखा ने कहा, भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने की वजह से ही हाफिजुर रहमान ने हम पर हमला किया।

तृणमूल पंचायत सदस्य राखिबुल इस्लाम ने कहा कि जहां मुख्यमंत्री जनता के लिए काम कर रही हैं, वहीं उनकी पार्टी के कुछ लोग भ्रष्टाचार में शामिल होकर पार्टी की छवि खराब कर रहे हैं। ऐसा किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

इस घटना को लेकर भाजपा नेता धर्मदास बाउरी ने आरोप लगाया कि तृणमूल नेता गांव की छोटी-सी जल परियोजना से भी कटमनी खा रहे हैं। हम इसका कड़ा विरोध करते हैं।

तृणमूल के अरामबाग जिला अध्यक्ष रामेंदु सिंह राय ने कहा कि मामला अभी मेरे संज्ञान में आया है। यह किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है। हम इसकी जांच करेंगे और जरूरत पड़ी तो सख्त कार्रवाई होगी।

वहीं, आरोपित तृणमूल नेता हाफिजुर रहमान ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मेरी ही पार्टी के कुछ लोग भाजपा से मिलकर झूठे आरोप लगा रहे हैं। मैं विकास के काम कर रहा हूं, इसी से कुछ लोगों को दिक्कत है। मैंने पार्टी से कहा है कि घटना की जांच की जाए। अगर मुझसे कोई गलती हुई है, तो पार्टी जो सजा देगी, मैं उसे स्वीकार करूंगा।

मंदिरबाजार में गैस सिलेंडर धमाके से उड़ा घर का छत

कोलकाता, समाज्ञा

दक्षिण 24 परगना जिले के मंदिरबाजार के रामनाथपुर इलाके में मंगलवार की सुबह गैस सिलेंडर फटने से एक घर का पूरा छत उड़ गया और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूत्रों के अनुसार, घर की बुजुर्ग महिला दुलपो सरदार गैस जलाने की कोशिश कर रही थीं, तभी अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते पूरे कमरे में आग फैल गई और जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। सूचना पाकर मंदिरबाजार थाने की पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति पर काबू पाया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

हुगली में भाजपा का प्रदर्शन, द बंगाल फाइल्स रिलीज न करने को लेकर विरोध

हुगली : पश्चिम बंगाल के सभी सिनेमाघरों में फिल्म द बंगाल फाइल्स रिलीज करने की मांग को लेकर भाजपा ने शेवड़ाफुली उदयन सिनेमा हॉल के सामने विरोध प्रदर्शन किया। यह फिल्म द ग्रेट कलकत्ता किलिंग्स पर आधारित है, जिसे रिलीज के दिन पश्चिम बंगाल के कई सिनेमाघरों में रोक दिया गया था। इस रोक के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम कर धरना प्रदर्शन किया। बाद में पुलिस ने आकर प्रदर्शनकारियों को हटाया। भाजपा नेत्री दुर्गा वर्मा ने कहा कि फिल्म रिलीज न होना बंगालियों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस फिल्म की रिलीज़ से उन्हें क्या समस्या है और क्या बंगाली हिंदुओं को यह जानने का अधिकार नहीं कि 1946 में उनके पूर्वजों पर कट्टरपंथियों द्वारा कैसा अत्याचार किया गया था। भाजपा नेता हरि मिश्रा ने भी बंगाल में फिल्म रिलीज न होने को लेकर ममता सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि बंगाल में ही बंगालियों का इतिहास दबाने की कोशिश की जा रही है।

चिंगड़ीघाटा क्रॉसिंग पर नवंबर में छह रातों तक ट्रैफिक ब्लॉक, ऑरेंज लाइन परियोजना को मिलेगी रफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : चिंगड़ीघाटा क्रॉसिंग पर लंबे समय से अटकी ऑरेंज लाइन मेट्रो परियोजना को गति देने के लिए पुलिस ने ट्रैफिक ब्लॉक की अनुमति दे दी है। यह ब्लॉक 14 से 16 नवंबर और 21 से 23 नवंबर की रातों में लागू रहेगा। इस दौरान ईएम बाईपास पर 366 मीटर लंबे वायाडक्ट गैप को जोड़ने का काम किया जाएगा, जो इस परियोजना का अहम हिस्सा है। यह निर्णय मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के बाद लिया गया। अदालत ने मेट्रो रेलवे, रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल), राज्य परिवहन व शहरी विकास विभाग, कोलकाता पुलिस, केएमसी और केएमडीए को संयुक्त बैठक कर समाधान निकालने

का निर्देश दिया था। इसके बाद मेट्रो भवन में हुई बैठक में ट्रैफिक ब्लॉक की अनुमति प्रदान की गई।

शनिवार को प्रस्तावित ट्रायल रन के दौरान पश्चिमी हिस्से से बनी नई सड़क का उपयोग किया जाएगा। इस दौरान कैप्टन भेरी से उत्तरी दिशा में ईएम बाईपास बंद रहेगा। उल्टाडांगा की ओर जाने वाले वाहनों को नई सड़क से मजेरपाड़ा और नहर रोड होते हुए पुनः बाईपास से जोड़ा जाएगा। दक्षिण की ओर जाने वालों के लिए बाद में अस्थायी मार्ग उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही पुलिस ने आरवीएनएल को मजेरपाड़ा में ट्रैफिक सिग्नल और नई सड़क के मोड़ों पर रेड ब्लिंकर लगाने का निर्देश दिया है।

जनहित याचिका दायर करने वाले उपमन्यु भट्टाचार्य ने चिंगड़ीघाटा पर 366 मीटर के गैप को ऑरेंज लाइन की सबसे बड़ी बाधा बताया था। यह लाइन न्यू गड़िया से एयरपोर्ट तक 29 किलोमीटर लंबी होगी, जिसमें से कवि सुभाष (न्यू गड़िया) से बेलघाटा (मेट्रोपॉलिटन) तक का 10 किलोमीटर हिस्सा पहले से चालू है।

श्रीरामपुर में भाजपा मंडल अध्यक्ष की संदिग्ध मौत, आत्महत्या की आशंका

हुगली, समाज्ञा

श्रीरामपुर के 20 नंबर वार्ड, दीनबंधु चटर्जी लेन इलाके में भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज चक्रवर्ती (45) की अजीबोगरीब मौत से हड़कंप मच गया। पुलिस ने प्राथमिक जांच में इसे आत्महत्या बताया है, हालांकि अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है। पुलिस व स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सोमवार रात मनोज का घर लगभग खाली था। उनकी पत्नी बंदना चक्रवर्ती उत्तरपाड़ा के एक नर्सिंग होम में नाइट ड्यूटी पर थीं। उनका इकलौता बेटा (कक्षा 11 का छात्र) पड़ोस की रिश्तेदार के घर पर था, जबकि मनोज की मां अपनी बहन के घर गई हुई थीं। मंगलवार सुबह नर्सिंग होम से लौटने पर बंदना ने घर में प्रवेश किया तो देखा कि उनके पति फांसी से लटके हुए हैं।

बंदना चक्रवर्ती ने आरोप लगाया कि मनोज का एक महिला के साथ विवाहेत्तर संबंध था। उनके पास इसके सबूत और तस्वीरें मौजूद हैं। इस कारण परिवार में लगातार कलह होती थी और मनोज अपने बेटे को भी मारते-पीटते थे।

पड़ोसन बंशरी हाजरा ने बताया, मनोज और बंदना के बीच उस महिला को लेकर अक्सर झगड़ा होता था। परसों भी जोरदार कलह हुआ था, बर्तन गिरने की आवाज तक आई थी।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए श्रीरामपुर वाल्स अस्पताल भेजा है। अधिकारियों का कहना है कि अभी आत्महत्या का मामला माना जा रहा है, लेकिन यह भी जांच की जाएगी कि इसके पीछे कोई राजनीतिक कारण तो नहीं है।

पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन ने शिक्षक दिवस पर किया विशेष आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन ने अपनी अध्यक्षा सीमा देउस्कर के मार्गदर्शन और प्रेरणा में कोलकाता के बेहाला स्थित घोलेशापुर रेलवे कॉलोनी के अरुणोदय घोलेशापुर स्कूल में शिक्षक दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर श्रीमती देउस्कर ने विद्यालय के शिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों को उपहार स्वरूप स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान एक विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति भी आयोजित की गई। श्रीमती देउस्कर और संगठन के पदाधिकारियों ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। विद्यालय के छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के लिए हस्तशिल्प और चित्रकला की प्रदर्शनी भी प्रस्तुत की। इस मौके पर अपने संबोधन में सीमा देउस्कर ने शिक्षकों को उनके समर्पित कार्य और नई पीढ़ी के निर्माण में योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

बिरला टायर्स बना डीपी वर्ल्ड एशिया कप 2025 का आधिकारिक टायर पार्टनर

कोलकाता : बिरला टायर्स यह घोषणा करते हुए गर्व महसूस करता है कि वह आगामी डीपी वर्ल्ड एशिया कप 2025 का आधिकारिक टायर पार्टनर होगा। यह प्रतिष्ठित साझेदारी ब्रांड की उस दृष्टि को दर्शाती है जिसमें क्रिकेट की भावना को आत्मसात किया गया है - एक ऐसा खेल जो करोड़ों लोगों को देशों, संस्कृतियों और समुदायों के बीच जोड़ता है। इस अवसर पर हिमाद्री स्पेशलिटी केमिकल लिमिटेड के सीएमडी एवं सीईओ अनुराग चौधरी ने कहा: डीपी वर्ल्ड एशिया कप 2025 का आधिकारिक टायर पार्टनर बनना हमारे लिए एक गर्व का क्षण है। डलमिया भारत रेफ्रेक्ट्रीज़ लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक एवं सीईओ डॉ. चन्द्रा नरैन महेश्वरी ने आगे कहा: इस साझेदारी के माध्यम से हम दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के साथ अपने रिश्ते को और मजबूत करने की आशा रखते हैं।

कांचरापाड़ा में पत्नी की हत्या का आरोपित पति गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के कांचरापाड़ा के खुदीराम पल्ली के भूतबागान इलाके में सोमवार की दोपहर कौशिक मंडल (28) नामक शख्स पर अपनी पत्नी अंकिता बर्मन (25) की हत्या का आरोप लगा था। घटना के बाद से आरोपित फरार था। घटना की जानकारी मिलते ही कांचरापाड़ा थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस जांच में जुटी और देर रात ही पांडुआ से आरोपित कौशिक मंडल को गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को पुलिस उसे अदालत में पेश कर रिमांड की मांग करेगी। अब तक हत्या के कारणों और वारदात की सटीक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने कहा कि पूछताछ और जांच की प्रगति के बाद कुछ स्पष्ट कहा जा सकता है।

फंड्सइंडिया ने 20,000 करोड़ का एयूएम पार किया

कोलकाता : भारत के अग्रणी डिजिटल वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म्स में गिने जाने वाले, फंड्सइंडिया ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का ऐलान किया है, जिसके मुताबिक इस प्लेटफॉर्म का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 20,000 करोड़ के पार चला गया है। यह उपलब्धि एक ऐसे भरोसेमंद फिनटेक लीडर के रूप में कंपनी की मार्केट में बेहद मजबूत स्थिति को रेखांकित करती है, जो बड़े पैमाने पर निवेशक-केंद्रित समाधान प्रदान कर रही है। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए, फंड्सइंडिया के ग्रुप सीईओ, अक्षय सप्रू ने कहा: यह हमारे लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है; इसके साथ ही यह उपलब्धि सुलभ, अभिनव और निवेशक को सर्वोपरि रखने वाले वेल्थ समाधानों के माध्यम से, भारत को और अधिक समृद्ध बनाने के हमारे इरादों पर मुहर लगाती है।

शालीमार रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी का भंडाफोड़

❑ 07 नाबालिग बच्चों को छुड़ाया, एक आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता : शालीमार रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की टीम ने मानव तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम करते हुए 07 नाबालिग बच्चों को छुड़ाया और एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को शालीमार स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-01 (सांतरागाछी छोर) पर चेकिंग के दौरान 43 वर्षीय राजेश मांझी (निवासी-बेतिया, बिहार) को सात नाबालिग लड़कों के साथ संदिग्ध हालात में पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह इन बच्चों को कर्नाटक के बल्लारी ले जाकर पोल्ट्री फार्म में मजदूरी पर लगाने वाला था। इसके बदले उसे प्रत्येक बच्चे से प्रति माह 10,000 रुपये दिलवाने का लालच दिया गया था। जांच में पता चला कि बच्चों की उम्र 11 से 16 साल के बीच है और सभी बिहार के बेतिया जिले के रहने वाले हैं। इनमें संदीप कुमार (11), रंजीत मांझी (16), सोनू मांझी (14), रामबली मांझी (15), करण मांझी (15), बाल किशोर मांझी (14) और रामबाबू कुमार (16) शामिल हैं। बच्चों ने भी स्वीकार किया कि उन्हें काम के लिए कर्नाटक ले जाया जा रहा था, हालांकि उन्हें न तो काम की जानकारी थी और न ही उनके परिवारों को इस बारे में कोई सूचना दी गई थी। आरपीएफ ने मौके से सात टिकट जब्त किए और आरोपी राजेश मांझी को गिरफ्तार कर जीआरपी शालीमार के हवाले कर दिया। सभी नाबालिग बच्चों को भी जीआरपी को सौंप दिया गया, ताकि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी पहले भी कई बार बच्चों को बहला-फुसलाकर मजदूरी के लिए ले जाने में शामिल रहा है।

बांकरा में टोटो गैराज में लगी आग

हावड़ा, समाज्ञा : जिले के बांकरा इलाके में सोमवार की देर रात एक टोटो गैराज में भयावह आग लग गई। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। सूत्रों के अनुसार, रात करीब 10 बजे गैराज में खड़े एक टोटो में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते टोटो धूं-धूं कर जलने लगा और आग पास में खड़े अन्य टोटो तक फैल गई। घटना की खबर पाकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। बाद में, दमकल की एक इंजन मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्राथमिक जांच में दमकल विभाग का अनुमान है कि आग लगने की वजह बिजली के शॉर्ट सर्किट हो सकती है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

कोलकाता के युवा कवि डॉ. सुनील कुमार शर्मा को मिलेगा 'सूत्र सम्मान-2025'

कोलकाता : लोककवि ठा. पूरन सिंह स्मृति 'सूत्र सम्मान-2025' कोलकाता के युवा कवि डॉ. सुनील कुमार शर्मा को प्रदान किया जाएगा। इस आशय का निर्णय 'सूत्र समिति' ने लिया है। सम्मान का आयोजन 25 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक नगरी कोण्डागाँव में किया जाएगा। इस अवसर पर 'सूत्र' एवं 'ककसाड़' साहित्यिक पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में विशेष साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। युवा कवि डॉ. सुनील कुमार शर्मा को उनकी रचनात्मकता और साहित्यिक योगदान के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। उनकी कविताओं में जीवन की अनगढ़ता और उम्मीद की चमक दिखाई देती है। साहित्यिक गतिविधियों के साथ-साथ उन्होंने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। वाणी प्रकाशन से उनका एक कविता संग्रह प्रकाशित हो चुका है, जबकि प्रौद्योगिकी पर उनकी कई शोधपरक पुस्तकें भी प्रकाशित हैं। गौरतलब है कि ठा. पूरन सिंह की स्मृति में स्थापित 'सूत्र सम्मान' वर्ष 1997 से प्रतिवर्ष किसी एक संभावनाशील युवा कवि या लेखक को दिया जाता है। वर्ष 2025 का यह सम्मान अब तक का 28वाँ सम्मान होगा।

धूमधाम से मना मां बनभौरी द्वादश अमृत महोत्सव

कोलकाता, समाज्ञा : जय मां बनभौरी परिवार (कोलकाता) ने माता बनभौरी का द्वादश अमृत महोत्सव रविवार को बड़ी धूमधाम के साथ तपसिया स्थित ओजस बैंक्विट हॉल में मनाया। मैया का दरबार काफी भव्य तरीके से सजाया गया था। मां बनभौरी महिमा का मंगल पाठ के अलावा भजन संध्या का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में मां बनभौरी माता की विधिवत पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम में भक्त झूमते-गाते हुए दिखाई दिए। यजमान राधेश्याम गुप्ता द्वारा पूजा की गई। बनभौरी धाम से आए पुजारी पुलकित कौशिक ने भक्तों को अपना आशीर्वाद दिया। वरिष्ठ सदस्यों देवराज रावलवासिया, जयदेव रावलवासिया, प्रदीप रावलवासिया, दयानंद रावलवासिया, विष्णु दास मित्तल, सुरेश मित्तल, ईश्वर चंद्र गुप्ता शामिल हुए। विमल अग्रवाल, विनोद बंसल, राजेश अग्रवाल, संजय जैन, सुशील बंसल, सचिन मित्तल, कमल जैन, नरेश बंसल, रामेहर मित्तल, अनिल गर्ग, गौरव मित्तल, रतन शर्मा, किशन बंसल, सतीश सिंगल, कृष्ण अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, दुनीचंद सिंगल एवं संस्था के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सतसंग भवन कार्यशाला : शुभेंदु अधिकारी व अमिताव चक्रवर्ती का भव्य स्वागत

कोलकाता, समाज्ञा : सतसंग भवन, कोलकाता जोन द्वारा मंगलवार को आयोजित सात जिलों के सभी मंडल अध्यक्षों की कार्यशाला में पश्चिम बंगाल विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और राज्य भाजपा के संगठनात्मक महामंत्री अमिताव चक्रवर्ती का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर, भोला सोनकर ने सतसंग भवन की ओर से उन्हें श्रीराम चरितमानस, श्रीमद्भगवद गीता तथा मां काली की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। कार्यशाला में उपस्थित सभी सदस्य इस स्वागत और सम्मान समारोह को देखकर प्रसन्न दिखाई दिए और उन्होंने इस आयोजन की सराहना की।

भारत क्षत्रिय समाज ने रक्तदान महोत्सव, मेधा सम्मान और स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : भारत क्षत्रिय समाज द्वारा रविवार को स्वैच्छिक रक्तदान महोत्सव, मेधा सम्मान और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। 31 हरीश मुखर्जी रोड, भवानीपुर स्थित संस्था के कार्यालय में सुबह नौ बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, जो अपराह्न चार बजे तक चला। लगभग 200 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। संस्था के अध्यक्ष डॉ राजेश कुमार सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है। इस मौके पर मुख्य संरक्षक अरविंद सिंह, चेयरमैन राजगृही सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणधीर सिंह, महासचिव रविंद्र सिंह दीपक, पूर्व महासचिव मनोज सिंह आदर्श, संयुक्त सचिव लक्ष्मी नारायण सिंह, युवा अध्यक्ष संतोष सिंह कार्यक्रम के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका में उपस्थित रहे।

संयोजक मनोज सिंह ने कहा कि रक्तदाताओं की भारी संख्या को नियंत्रित करना ही बड़ी चुनौती था, जिसमें सभी कार्यकर्ताओं की तत्परता के कारण समय रहते 200 यूनिट स्वैच्छिक रक्त दाताओं ने रक्तदान किया। शिविर में सैकड़ों की संख्या में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर (नेत्र, दांत, मधुमेह, रक्तचाप, ईसीजी जांच व एक्यूप्रेशर आदि) का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

समाज के संगठन सचिव सुनील सिंह पप्पू ने बताया कि इस वर्ष भारत क्षत्रिय समाज द्वारा मेधा सम्मान भी किया गया। विभिन्न परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राज्य के मंत्री मोहम्मद गुलाब रब्बानी, मंत्री जावेद अहमद खान, विधायक देवाशीष कुमार, लगनदेव सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। इनके अलावा, एमएमआईसी सह पार्षद असीम बोस, वैश्नोबर चट्टोपाध्याय, राजेश सिन्हा, फैज अहमद खान, अनवर खान, सत्येंद्र सिंह (महेशतल्ला), कामाख्या नारायण सिंह (हिंद मोटर), मनोज सिंह रिशरा, विवेक एवं जयहिंद बाहिनी के अध्यक्ष (पश्चिम बंगाल) सह 73 नंबर ब्लॉक प्रेसिडेंट कार्तिक बनर्जी, स्पोर्ट्स सेल के अध्यक्ष बाबुन बनर्जी एवं कृष्णप्रताप सिंह (हिंदी सेल) की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। हमारे वार्ड की पौरमाता पापिया सिंह, सुष्मिता भट्टाचार्जी, पूर्व विधायक स्मिता बक्शी, पूर्व विधायक संजय बक्शी, पूर्व पार्षद व बबलू सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष 71 नंबर बार्ड) की गरिमामय उपस्थिति रही।

युवा नेता सायन देव चट्टोपाध्याय, संतोष शर्मा ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। श्याम मल्लिक, बॉबी दास, विश्वजीत लाला, अखिलेश सिंह भी उपस्थित रहे। उद्योगपति जतिन पारीक, प्रमोद चौधरी (निदेशक साउथ सिटी ग्रुप), वेद कुमार तिवारी, आलोक अग्रवाल, अभय सिंह, रणविजय सिंह, अखिलेश सिंह, धनंजय सिंह, शेखर सिंह, सत्येंद्र सिंह, उमानंद सिंह, सुशील सिंह, राजकिशोर सिंह, अर्जुन सिंह, सुरजीत कुंडू, सब्यसाची दत्ता, ललित सिंह, सब्बीर अजहरी, परवेज आलम, रितेश जायसवाल की गरिमामय उपस्थिति रही। अथितियों ने अपने भाषण में समाज के वर्तमान एवं विगत कार्यों पर वृहद् प्रकाश डाला। इस दौरान महानगर की बैरकपुर क्षत्रिय समाज, आजमगढ़ सेवा संघ, कोलकाता क्षत्रिय समाज, राष्ट्रीय बिहारी समाज, तीर्थार्थी सेवा संस्थान, क्षत्रिय चेतना मंच, रिसरा क्षत्रिय समाज, टीटागढ़ क्षत्रिय समाज, अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज, भारतीय सेवा संस्थान, अखिल भारतीय हरिजन मल्लिक संघ, क़स्बा क्षत्रिय समाज, अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज, टीन साइड अस्थ्यम कमेटी के साथ लगभग 25 संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

समाज के लोग मुख्य रूप से चक्षु जांच एवं एक्युप्रेशर से खासे प्रभावित हुए। एक्यूप्रेशर समाज की वीरांगना गीता सिन्हा द्वारा अयोजित था। मुख्य संरक्षक अरविंद सिंह ने कहा कि समय समय पर प्रमाणित हुआ है कि आवश्यकता पड़ने पर क्षत्रिय जहां देश की सीमाओं की सुरक्षा हेतु रक्त क्षरण से पीछे नहीं हटता वहीं, वो मानवता के लिए रक्तदान का आयोजन भी बखूबी कर सकता है। संस्था के पूर्व महासचिव मनोज सिंह आदर्श ने समापन भाषण में सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।

संयोजक मनोज कुमार सिंह ने दुर्गा पूजा, दीपावली के बाद छठ पूजा शिविर व गंगा सागर सेवा शिविर के आयोजन हेतु तैयार रहने के लिए कहा गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के महिला सदस्य इंदु सिंह, संजू उपासना सिंह, गीता सिन्हा, मानसी सिंह, एकता सिंह, सहित पारस नाथ सिंह, रामबाबू सिंह, मिलन सिंह, दयाशंकर सिंह, बृजेश सिंह कस्बा, कपिल देव सिंह, संजय सिंह, मनोज सिंह रघुवंशी, जसवंत सिंह, विनोद कुमार सिंह, परमेश्वर सिंह, पारसनाथ सिंह, वीरेंद्र प्रताप सिंह, रामरंजन सिंह गुड्डू, लक्ष्मी नारायण सिंह, रमेश सिंह, अखिलेश सिंह बेहला, अमरनाथ सिंह, अरविंद सिंह हावड़ा, अवधेश सिंह, भरत सिंह झाला, विनोद सिंह, धनराज सिंह, धर्मेंद्र कुमार सिंह, अधिवक्ता मनोज मल्होत्रा, प्रशिद् नारायण सिंह, प्रीतम सिंह, राधेश्याम सिंह, राकेश सिंह राणा, रौनक सिंह, उदय प्रताप सिंह, युवा साथी अमरेंद्र सिंह, हरिमोहन सिंह, रजनीश पांडे, शैलेंद्र सिंह, ब्रजेश सिंह, संजय सिंह, संजय झा, रणबीर सिंह, मनोज कुमार सिंह, प्रदीप सिंह तोमर, संतोष सिंह, राजीव रंजन सिंह, शिव कुमार सिंह, परबिंदर सिंह, बृजेश सिंह, विक्की सिंह, संकल्प कुमार सिंह, अर्जुन सिंह, भागवत सिंह,अनुपम सिंह, संजीव सिंह, जय प्रकाश सिंह, संजीत सिंह, शैलेंद्र सिंह, विनय सिंह, रमेश सिंह, शिव कुमार सिंह, अमरनाथ सिंह, राजेश कुमार सिंह, मनोज सिंह, संजय सिंह, उदय प्रताप सिंह, सुमित सिंह, मंदीप सिंह, अमित सोलंकी, हरेंद्र सिंह, सुधांशु सिंह, दीनानाथ पांडेय, वीरेंद्र प्रताप सिंह, अख्तर, शिवा, शाहरुख, इलियास, नवीन राउत, इमरान, धनजीत चौधरी, विक्की साब, तपन दत्त, मुन्ना साव, संयोजक मनोज कुमार सिंह ने सभी कार्यकर्ता एवं सहयोगी को आभार व्यक्त किया।

समाज के सभी कार्यकर्ता के अलावा सभी अन्य समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। जिसमे सर्वश्री तारकेश्वर दुबे, सुजीत सिंह, गंगा सिंह, ममता सिंह, तारकदत्त सिंह, विजय कुमार सिंह, मनिंद्र सिंह मुत्रा, अखिलेश सिंह, रविंद्र सिंह, अनिल सिंह, रामबाबू सिंह, पुतुल सिंह, कृष्णा सिंह, भारत सिंह, जसवंत सिंह, योगेश, ममता सिंह, अंकुल सिंह, निलेश सिंह, विवेक सिंह, मनोज सिंह, दिवाकर सिंह, सुधाकर सिंह, सुधीर सिंह, अभिषेक सिंह, युवा सचिव अमरेंद्र सिंह, इत्यादि ने समाज के इस सफल कार्यक्रम हेतु कार्यकर्ताओं को बधाई दिए। सफल मंच संचालन सुजीत सिंह द्वारा संपन्न हुआ।

बुजुर्ग का खून से लथपथ शव मिला

मऊ (उप्र): उत्तर प्रदेश के मऊ जनपद थाना मधुबन क्षेत्र के अहिरूपुर गांव में खेत में बुजुर्ग का खून से लथपथ शव मिला है। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि परिजनों के मुताबिक बुजुर्ग खेत की देखभाल करने के लिए रात्रि में वहां सोने गए थे। उनके अनुसार आज सुबह बुजुर्ग का खून से लथपथ शव मिला। अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने बताया कि ये घटना ग्राम अहिरूपुर थाना क्षेत्र मधुबन की है। उन्होंने बताया कि सुबह सूचना मिली कि गांव निवासी अमला यादव (करीब 55) रात में अपने खेतों की देखभाल करने के लिए गए थे और आज सुबह उनका खून से लथपथ शव मिला। उन्होंने बताया कि बुजुर्ग के सिर पर धारदार हथियार चोट दिखायी दे रही है। उन्होंने कहा कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। कुमार ने बताया कि बुजुर्ग की पत्नी के द्वारा तहरीर दी जा रही है और इस संबंध में एक मामला दर्ज करके आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रांची: देह व्यापार गिरोह मामले में तीन और लोग गिरफ्तार

रांची: झारखंड की राजधानी रांची में देह व्यापार गिरोह में शामिल होने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि लालपुर स्थित एक निजी छात्रावास में रविवार को छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल की दस महिलाओं को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि छात्रावास से देह व्यापार गिरोह चलाया जा रहा था। डीएसपी (सिटी) कुमार वी. रमन ने कहा, 'महिलाओं द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर हमने तीन संचालकों को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।'

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में अगली सुनवाई 23 सितंबर को

सुलतानपुर (उप्र): लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से कांग्रेस पार्टी के सांसद राहुल गांधी के खिलाफ लंबित मानहानि के मामले में मंगलवार को एक सांसद-विधायक अदालत में एक गवाह से जिरह की गई। यह जानकारी एक अधिवक्ता ने दी। गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने एक गवाह से जिरह की और जिरह पूरी नहीं होने के चलते अदालत ने मामले की अगली सुनवायी 23 सितंबर को करना निर्धारित किया।

राजस्थान विधानसभा ने धर्मांतरण विरोधी विधेयक पारित किया

जयपुर: राजस्थान विधानसभा ने मंगलवार को राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस विधेयक का उद्देश्य धोखे, छल-कपट, प्रलोभन आदि से होने वाले धर्मांतरण को रोकना है। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह कानून राज्य में सामाजिक समरसता और सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता देता है, लेकिन इसमें किसी भी प्रकार के दबाव, भय या प्रलोभन से किए गए धर्म परिवर्तन का समर्थन नहीं किया गया है। बेढ़म ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी स्पष्ट कर चुके हैं कि हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता है, लेकिन बलपूर्वक धर्मांतरण करने का अधिकार किसी को नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों, जनजातियों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और महिलाओं को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जाता रहा है, जिसे यह विधेयक रोकने का काम करेगा।

विधेयक की मुख्य बातें

* छल-कपट से धर्म परिवर्तन पर 7 से 14 वर्ष तक का कारावास और 5 लाख रुपये तक का जुर्माना।
* महिला, अल्पवयस्क, एससी/एसटी, दिव्यांग को लक्ष्य बनाकर धर्मांतरण पर 10 से 20 वर्ष तक का कारावास और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना।
* सामूहिक धर्म परिवर्तन करवाने पर 20 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास और 25 लाख रुपये का जुर्माना।
* विदेशी या अवैध संस्थाओं से धन लेकर धर्मांतरण करवाने पर 10 से 20 वर्ष का कारावास और 20 लाख रुपये का जुर्माना।
* जीवन, संपत्ति के लिए धमकाकर, विवाह का झांसा देकर या दुर्व्यापार में बेचकर धर्म परिवर्तन कराने पर 20 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास और 30 लाख रुपये तक का जुर्माना।
* यदि कोई व्यक्ति पहले इसी अपराध में दोषी हो चुका है और पुनः दोषी पाया जाता है तो उसे 20 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास और 50 लाख रुपये तक का जुर्माना।

बेढ़म ने कहा कि यह विधेयक समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

बिहार : मंत्रिमंडल ने आंगनबाड़ी सेविकाओं-सहायिकाओं का मानदेय बढ़ाने की दी स्वीकृति

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं के मानदेय में वृद्धि के समाज कल्याण विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई। सरकार के इस निर्णय को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। अब आंगनबाड़ी सेविकाओं का मानदेय 7,000 रुपये से बढ़ाकर 9,000 रुपये और सहायिकाओं का 4,000 रुपये से बढ़ाकर 4,500 रुपये कर दिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर भी इसके बारे में जानकारी साझा की थी। उन्होंने पोस्ट में कहा था ''बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं जीवन स्तर में सुधार लाने में आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी भूमिका का सम्मान करते हुए उनके मानदेय में वृद्धि की गई है।'

न्यूज अपडेट

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने छात्र-छात्राओं से साझा किये अंतरिक्ष से मिले सबक

लखनऊ: एक्जिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर पहुंचे पहले भारतीय शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को छात्र-छात्राओं से अपने मिशन से मिले सबक साझा करते हुए उन्हें अपने जीवन में उतारने की हिदायत दी और उनसे 'निडर, महत्वाकांक्षी और अजेय भारत' के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। शुक्ला को डॉक्टर ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के दीक्षांत समारोह में डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किये गये शुक्ला ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान सामने आयी चुनौतियों का जिक्र करते हुए छात्र-छात्राओं को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिये कई हिदायतें, गुरुमंत्र और सात सिद्धांत दिये। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा, ''आप भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा के सबसे रोमांचक दौर में स्नातक बने हैं। इसरो के चंद्रयान-3 मिशन के जरिए भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बन गया है। वर्ष 2035 तक हमारा लक्ष्य एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर पहुंचाना है। यही वह भारत है जो नवाचार का नेतृत्व कर रहा है और भविष्य को आकार दे रहा है। यही वह भारत है जो आपका इंतजार कर रहा है। आप उम्मीद लगाने वाले नहीं हैं... आप इस यात्रा में भागीदार हैं।'

रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए प्राथमिकता से काम कर रहे हैं: राजस्थान के मुख्यमंत्री

जयपुर: राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि हमारी सरकार राज्य में रेलवे सुविधाओं के विस्तार के लिए प्राथमिकता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मजबूत रेल नेटवर्क से आमजन को आवागमन में सुगमता होगी, साथ ही स्थानीय रोजगार और उद्योगों को भी फायदा होगा। शर्मा ने रतलाम-डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नयी रेल परियोजना और केन्द्रीय भंडारण निगम द्वारा भरतपुर में प्रस्तावित नवीन रेल टर्मिनल के काम की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि राज्य में प्रस्तावित रेलवे परियोजनाओं के धरातल पर शीघ्र मूर्तरूप देने के लिए अधिकारी रेलवे के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। आधिकारिक बयान के अनुसार उन्होंने कहा कि भरतपुर में प्रस्तावित रेल टर्मिनल के निर्माण से किसानों, औद्योगिक इकाइयों सहित सभी वर्गों को परिवहन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी टर्मिनल के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए संयुक्त निरीक्षण करें। शर्मा ने उत्तर-पश्चिम रेलवे के अधिकारियों से रतलाम-डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नयी रेल परियोजना की वस्तुस्थिति को जाना। उन्होंने अधिकारियों को इस रेलवे लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण के कार्य को आपसी समन्वय से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

एटीएम कार्ड बदल ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 216 एटीएम कार्ड बरामद

जैसलमेर: जैसलमेर में पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर लोगों को ठगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से विभिन्न बैंकों के 216 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने पूरे भारत में ठगी की हजारों वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने बताया कि 17 अगस्त 2024 को मगसिंह ने पोकरण थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह एसबीआई एटीएम से पैसे निकालने गए थे। वहां पहले से मौजूद कुछ लोगों ने उनके पिन नंबर देख लिए। जब मगसिंह पैसे नहीं निकाल पाए तो उन लोगों ने मदद के बहाने उनका एटीएम कार्ड ले लिया और चालाकी से उसे बदलकर दूसरा कार्ड पकड़ा दिया। इसके बाद मगसिंह के खाते से लगभग एक लाख रुपये निकाल लिए गए। व्यापक जांच व छानबीन के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों अजय सैनी (निवासी बादशाहपुर, सहारनपुर), मोंटी (निवासी खुरलकी- सहारनपुर) और परवेश निवासी (मतोली -सहारनपुर) को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया।

महिला का धर्म परिवर्तन कराने के मामले में मुख्य आरोपी समेत तीन लोग गिरफ्तार

नोएडा (उप्र): नोएडा पुलिस ने प्रलोभन और धमकी देकर एक महिला का धर्म परिवर्तन कराने के मामले में मुख्य आरोपी सहित तीन लोगों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मुख्य आरोपी राजा मियां उर्फ एहसान (23), उसके पिता बिस्मिल्लाह मियां (65) और मां अनीशा बेगम (50) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है और इस मामले में फरार दो अन्य आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई महिला के पति शिवम शर्मा द्वारा उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका से जुड़ी है जिसमें उन्होंने अपनी गुमशुदा पत्नी की तलाश का अनुरोध किया था। पुलिस ने बताया कि गढ़ी चौखंडी गांव निवासी शर्मा की पत्नी इसी साल मई में लापता हो गई थी, जिसे बाद में पुलिस ने चेन्नई (तमिलनाडु) से बरामद कर लिया था। इससे पहले, थाना फेज-तीन के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया था, महिला ने खुलासा किया कि गाजियाबाद के बहरामपुर गांव में किराए पर रहने वाला बिहार के सिवान जिले का मूल निवासी राजा उर्फ एहसान उसे प्रेमजाल में फंसाकर भगा ले गया था। महिला ने धर्म परिवर्तन कर एक मई 2025 को राजा से निकाह कर लिया। उन्होंने बताया,'राजा, उसके पिता बिस्मिल्लाह, मां अनीशा बेगम और भाई इरशाद ने प्रलोभन और धमकी देकर महिला का धर्म परिवर्तन कराया और निकाह करवाया। निकाहनामा की छायाप्रति देखने पर यह पाया गया कि महिला के पिता का नाम फर्जी लिखा गया है। साथ ही, राजा ने अपनी मां को महिला की फूफी और अपने भाई को महिला का भाई बताया था।

भारत अपनी मेहनत के बल पर समृद्ध बना है: आदित्यनाथ

बस्ती: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि भारत अपनी मेहनत के बल पर समृद्ध बना है, जबकि विदेशी देश भारत और दुनिया को लूटकर धन-संपत्ति बटोरते रहे। आदित्यनाथ ने कहा, (पहले) एक प्रवृत्ति पनपी थी और गुलामी की मानसिकता ने देश को इस तरह जकड़ लिया था कि हर भारतीय को लगने लगा था कि एक भारतीय को नीची नजर से देखा जाना चाहिए, जबकि एक विदेशी को संपन्नता की नजर से देखा जाना चाहिए। आपने देखा होगा कि पिछले 11 वर्षों में इस बुरी प्रवृत्ति पर अंकुश लगा है। आदित्यनाथ ने बस्ती जिले में मंगलवार को सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बसहवा का भूमि पूजन, शिलान्यास, पौधरोपण व पुस्तक का विमोचन भी किया। एक बयान के मुताबिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन प्रचारक नाना जी देशमुख के नेतृत्व में सरस्वती शिशु मंदिर की पहली शाखा गोरखपुर में स्थापित की गई थी। आदित्यनाथ सरस्वती शिशु मंदिर की आधारशिला रखने और उसका भूमिपूजन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। आदित्यनाथ ने कहा, जो भारतीय है, वही सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि विदेशियों ने जो कुछ भी अर्जित किया है, वह भारत और विश्व को लूटकर ही किया है। भारत अपनी मेहनत के बल पर समृद्ध बना। ऐसा नहीं था कि भारत समृद्ध देश नहीं था। चार सौ साल पहले, भारत दुनिया की नंबर एक अर्थव्यवस्था हुआ करता था। उन्होंने कहा कि विश्व अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान 25 प्रतिशत था, लेकिन दुर्भाग्य से, जब यह देश 1947 में आजाद हुआ, तो भारत का योगदान केवल दो प्रतिशत रह गया।

प्रधानमंत्री मोदी 11 सितंबर को वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री के साथ करेंगे वार्ता

वाराणसी (उप्र): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 11 सितंबर को अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के एक दिवसीय दौरे के दौरान मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। विधान परिषद सदस्य डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह ने मंगलवार को बताया कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम 10 सितंबर की शाम काशी पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री मोदी अपने एक दिवसीय दौरे पर 11 सितंबर को वाराणसी में रामगुलाम के साथ द्विपक्षीय वार्ता में हिस्सा लेंगे। इसके बाद मॉरीशस के प्रधानमंत्री देर शाम गंगा आरती में शामिल होंगे। वह 12 सितंबर की सुबह श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन करके काशी से रवाना होंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महानगर इकाई के अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए पार्टी के कार्यकर्ता और काशी की जनता तैयार है। पुलिस लाइन से ताज होटल तक स्वागत के लिए छह स्थान निर्धारित किये गये हैं।

बुद्धिमान स्त्री

नरेंद्र देवांगन

एक समय की बात है। चार राहगीर कहीं जा रहे थे। रास्ते में उन्हें प्यास लगी। एक गांव के निकट वे पहुंचे, तो उन्होंने एक स्त्री को पानी भरते हुए देखा। उन्होंने सोचा कि यदि वे चारों एक साथ कुएं पर पहुंचें तो शायद वह स्त्री उन्हें पानी पिलाने से इंकार कर दे, इसलिए उन्होंने एक-एक कर जाने का विचार किया।

सबसे पहले एक आदमी कुएं पर पहुंचा और उससे पानी पिलाने की प्रार्थना की। स्त्री ने पूछा, 'तू कौन?'

उसने उत्तर दिया, 'बटेऊ(राहगीर)।'

स्त्री ने कहा, 'दुनिया में केवल दो बटेऊ हैं तो तीसरा कहां से आया। इसका अर्थ बताएगा तो पानी मिलेगा अन्यथा तुझे यहीं बैठना पड़ेगा।'

वह आदमी स्त्री के प्रश्न का उत्तर नहीं दे पाया और वहीं बैठ गया।

थोड़ी देर प्रतीक्षा करने के बाद दूसरा आदमी आया। उसने भी पीने के लिए पानी मांगा। स्त्री ने उससे पूछा, 'तू कौन?'

उसने अपना नाम बलवान बताया। स्त्री ने उससे भी कहा, 'संसार में बलवान तो दो ही हैं, तीसरा कौन? इसका उत्तर दिए बिना पानी नहीं मिलेगा।'

वह भी उत्तर न दे पाया और वहीं बैठ गया।

थोड़ी देर में तीसरा आदमी आया। स्त्री ने उससे पूछा, 'तू कौन?'

उसने अपना नाम गरीब बताया। स्त्री ने कहा, 'संसार में गरीब तो दो ही हैं, तीसरा कौन? इसका उत्तर दिए बिना पानी नहीं मिलेगा।'

वह भी उत्तर न दे पाया और वहीं बैठ गया।

थोड़ी देर में चौथा आदमी भी आ गया। स्त्री ने उससे पूछा, 'तू कौन?'

उसने अपना नाम मूर्ख बताया। स्त्री ने कहा, 'संसार में मूर्ख तो दो ही हैं, तीसरा कौन? इसका उत्तर दिए बिना पानी नहीं मिलेगा।'

वह भी उत्तर न दे पाया और वहीं बैठ गया।

अब वह स्त्री उन चारों को ले कर अपने घर की ओर चली। रास्ते में जब उसके पति ने देखा तो यही समझा कि चार आदमी उसकी पत्नी का पीछा कर रहे हैं। वह क्रोध से जल उठा और उनकी खूब मरम्मत की। तभी शहर कोतवाल वहां से गुजरा तो उन पांचों को सार्वजनिक स्थान पर दंगा-फसाद करने के जुर्म में पकड़ कर कोतवाली ले गया।

स्त्री को जब पता चला तो वह भी कोतवाली पहुंची और उसने कुएं का सारा वृत्तांत सुना दिया। कोतवाल पूरी बात सुन कर पहले तो हंसा और फिर उसने कहा, 'बहन, क्या तुम इन चारों प्रश्नों का उत्तर बता सकती हो।'

उसने कहा, 'हां, देखो मेरा पहला प्रश्न था 'बटेऊ'। संसार में दो ही बटेऊ हैं सूरज और चांद जो कभी नहीं बैठते, हमेशा चलते रहते हैं। दूसरा प्रश्न 'बलवान' से था। संसार में दो ही बलवान हैं अग्नि और जल जिनका संसार में कोई सामना नहीं कर सकता। तीसरा प्रश्न 'गरीब' से था। संसार में गाय और कन्या दो गरीब हैं। उनको जिस खूंटे से बांध दो, वहीं बंधे रहते हैं। उन पर चाहे जैसा बरताव किया जा सकता है। चौथा प्रश्न मूर्ख से था। मेरा पति और आप दो मूर्ख हैं। एक ने बिना कारण जाने इन बेचारों की पिटाई की और आपने बिना पूरी जांच-पड़ताल किए इन सबको पकड़ लिया।'

स्त्री की बुद्धिमानी पर कोतवाल बहुत प्रसन्न हुआ और उसने पांचों को छोड़ दिया तथा स्त्री को पुरस्कार देने की घोषणा की। (उर्वशी)

नीम का पेड़

नरेंद्र देवांगन

एक था राजा, बहुत ही सरल और मधुर स्वभाव वाला। उसका एक ही पुत्र था पर वह बहुत अभिमानी तथा अक्खड़ था। जरा-सी बात पर उत्पात मचा देता। झट से किसी का भी अपमान कर देता।

राजा यह देख कर बहुत दुखी था। उसने राजकुमार को सुधारने के लिए बहुत से प्रयत्न किए परंतु नतीजा कुछ न निकला। अंत में राजा अपने पुत्र को महात्मा बुद्ध के पास ले गया। उसे पूरा विश्वास था कि उनकी संगति में रह कर राजकुमार सुधर जाएगा। उसने महात्मा बुद्ध को राजकुमार के विषय में सब कुछ बता दिया। फिर उनसे अनुरोध किया कि वह कृपा करके उसके पुत्र को सुधार दें। महात्मा बुद्ध ने शांत मन से सब कुछ सुना, फिर राजा को निश्चिंत हो कर लौट जाने को कहा।

बुद्ध सायंकाल घूमने जाया करते थे। कई बार उनके शिष्य तथा श्रद्धालु भी उनके साथ होते। वह राजकुमार को भी साथ ले जाने लगे। वन की ओर जाती पगडंडी के साथ नीम का एक पौधा खड़ा था। पौधा अभी छोटा ही था।

एक दिन बुद्ध ने राजकुमार से कहा, 'वत्स, इस पौधे की एक-दो पत्तियां तोड़ लो। फिर उन्हें चबा कर मुझे उनके स्वाद के विषय में बताओ।'

राजकुमार ने झट दो-तीन पत्तियां तोड़ लीं। उन्हें मुंह में डाल कर चबाने लगा। उसका मुंह कड़वाहट से भर गया। उसने तुरंत पत्तियां थूक दीं लेकिन मुंह की कड़वाहट तब भी न मिटी। आखिर गुस्से में आ कर उसने उस पौधे को ही उखाड़ फेंका।

बुद्ध ने तुरंत उससे पूछा, 'वत्स, क्या हुआ? पौधे को क्यों उखाड़ फेंका?'

'गुरूवर, इस पौधे की पत्तियां बहुत ही कड़वी हैं। अनजान आदमी को ये पत्तियां परेशान न करें, इसलिए पौधे को ही जड़ से उखाड़ फेंका।' राजकुमार ने गर्व के साथ बताया।

बुद्ध मुस्कुराए। बोले, 'वत्स, तुम्हारा व्यवहार भी तो इतना ही कड़वा है जितनी नीम की पत्तियां। यदि तुम्हारे स्वभाव को देख कर कोई तुम्हारे साथ भी ऐसा ही व्यवहार करे तो क्या होगा?'

सुनकर शर्म से राजकुमार की गर्दन झुक गई। थोड़ी देर बाद वह विनम्रता पूर्वक बोला, 'आप सही कह रहे हैं गुरूवर। मैं अपने किए पर लज्जित हूं।'

'मुझे प्रसन्नता है कि तुम मेरी बात समझ रहे हो इसलिए यदि तुम फलना-फूलना चाहते हो तो अपने व्यवहार को मधुर बनाओ। जिनका स्वभाव सरल और मधुर होता है, उनकी अपनी शक्ति स्वयं के काम आती है न कि दूसरों को उखाड़ने और पछाड़ने में।' बुद्ध ने उसकी पीठ थपथपाते हुए समझाया।

उसी दिन से राजकुमार बदल गया। (उर्वशी)

चित्रकार की चतुराई

अयोध्या प्रसाद भारती

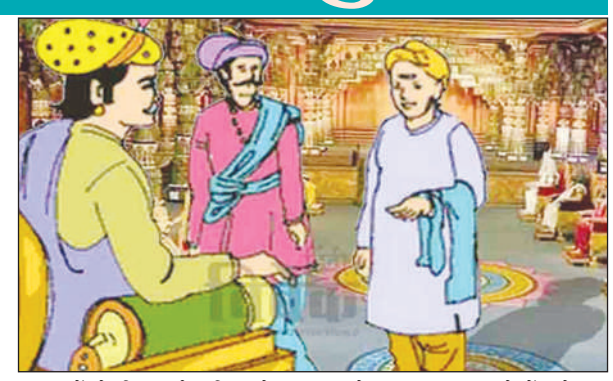

बहुत पुरानी बात है। एक नगर में एक चित्रकार रहता था। अपनी लगन के बल पर उसने बढ़िया चित्रकारी करने में महारत हासिल कर ली थी। वह दृश्यों, मनुष्यों के चेहरों का इतना अच्छा चित्रांकन करता कि चित्र वास्तविक और सजीव मालूम होते।

धीरे-धीरे एक बड़े इलाके में उसकी कीर्ति फैल गई। धन्नासेठ चित्रबनवाने के लिए उसे खूब धन देते। वह पूरे मनोयोग से चित्र बनाता। राजा भी उसकी अनेक बार तारीफें सुन चुका था। एक बार राजा ने संदेशवाहक के जरिए उस चित्रकार को दरबार में हाजिर होने का संदेश भिजवाया।

चित्रकार जब राजा के दरबार में पहुंचा तो उसे राजा और दरबारियों ने उचित सम्मान दिया और बैठने को उचित आसन दिया। कुछ देर की बातचीत के बाद राजा ने उससे कहा, 'आप हमारा एक चित्र बनाओ जो न सिर्फ वास्तविक सा लगे अपितु सुंदर भी हो। ध्यान रहे ऐसा न हुआ तो तुम्हें मृत्युदंड मिलेगा।'

'जी,' चित्राकार ने कुछ सोचते हुए राजा से कहा 'इसके लिए मुझे वक्त चाहिए।'

राजा बोला, 'ठीक है। तुम्हें एक सप्ताह का समय दिया जाता है। अगले सप्ताह आज ही के दिन इसी समय तुम दरबार में चित्रा लेकर उपस्थित होना।'

इसके बाद चित्रकार राजा और दरबारियों से विनयपूर्वक विदा लेकर चला गया। वह अपने घर जाकर बिस्तर पर सोच में पड़ गया। वह सोच नहीं पा रहा था कि कैसा चित्र बनाए जो वास्तविक भी लगे और सुंदर भी। उसे काफी सोचने के बाद भी चित्र की कोई थीम न सूझी। उसे अपनी मृत्यु निश्चित जान पड़ी। कई दिन हो गये सोचते-सोचते।

असल में एक बड़ी समस्या सामने थी कि राजा एक आंख से काना था। अगर वह राजा की एक आंख खराब दिखाता तो चित्र वास्तविक तो लगता परंतु सुंदर नहीं और यदि दोनों आंखें ठीक-ठाक दिखाता वह चित्र सुंदर लगता किंतु हकीकत से दूर।

छह दिन हो गये यही सोचते-सोचते और अंततः उसी सांयकाल उसे एक युक्ति सूझ गयी। वह पूरी लगन से चित्र बनाने में जुट गया। सुबह होते-होते उसने चित्र को पूरा कर लिया।

दोपहर बाद वह कपड़े में लपेटकर दरबार में हाजिर हुआ। चित्र को एक सही स्थान पर रखा गया। सबकी नज़रें चित्र की ओर थी। राजा का संकेत मिलते ही चित्रकार ने कपड़ा हटाया। चित्रा देखकर सभी वाह-वाह कर उठे। चित्रकार की चतुराई पर राजा दंग रह गया।

चित्रा में जंगल का सुंदर दृश्य था। राजा एक भागते हिरण पर तीर का निशाना साध रहा था। एक आंख से देखते हुए। एक आंखें मींचे हुए। यही वह आंख थी जो खराब थी। चित्र सुंदर तो था ही, वास्तविक भी जान पड़ा। चित्रकार ने चतुराई से कानी आंख मीच दी थी।

राजा ने मुस्कुराते हुए चित्रकार की पीठ ठोंकी और कहा, 'मान गये, हुनरमंद के साथ-साथ तुम चतुर भी हो।' सभी ने चित्रकार की प्रशंसा की। राजा ने उसे इनाम दिया। (उर्वशी)

गर्म पानी में मेंढक

एक बार एक मेंढक गर्म पानी के बर्तन में गिर जाता है। वह वर्तन आग पर रखे होने की वजह से और गरम होने लगता है।

मेंढक तब बहार निकलने की जगह अपने शरीर के तापमान को नियंत्रित कर के उसमें बैठा रहता है की वो बाद में निकल जायेगा।

पर वर्तन का पानी उबलने लगता है और मेंढ़क से अब तापमान सहन नहीं होता और वो बाहर निकलने की कोशिश में अंदर ही मर जाता है।

नैतिक शिक्षा: हम सबको परिस्थियों के अनुसार ढालना पड़ता है परन्तु कई बार जिन परिस्थियों में ज्यादा उलझने लगें तो उनसे सही समय पर बहार निकलने में ही भलाई होती है।

किसान और सांप की कहानी

एक बार एक किसान सर्दियों के दिनों में अपने खेतों में से गुज़र रहा था। तभी उसकी नज़र एक ठंड में सिकुड़ते हुए सांप पर पड़ी।

किसान को पता था की सांप बहुत ही खतरनाक जीव है लेकिन फिर भी उसने उसे उठाया और अपनी टोकरी में रख लिया।

फिर उसके ऊपर उनसे घास और पत्ते दाल दिए ताकि उसे कुछ गर्मी मिल जाए और वो ठण्ड की वजह से मरने से बच जाये।

जल्द ही सांप ठीक हो गया और उसने टोकरी से निकल कर उस किसान को काट लिया जिसने उसकी इतनी मदद की थी।

उसके जहर से तुरंत ही उसकी मौत हो गयी और मरते मरते उसने अपनी आखिरी साँस में यही कहा मुझसे ये सीख लो, की कभी किसी दुष्ट (बुरे, नीच) पर दया न करो।

नैतिक शिक्षा: कुछ लोग ऐसे होते हैं की जो अपने स्वभाव को कभी नहीं बदलते हैं, फिर चाहे हम उनके साथ कितना भी अच्छा व्यवहार करें। हमेशा उन लोगों से सावधान रहें और उनसे दूरी बनाए रखें जो केवल अपने फायदे के बारे में सोचते हैं।

न्यूज इन ब्रीफ

आईएसआई को भारतीय सिम कार्ड मुहैया कराने वाला नेपाली व्यक्ति गिरफ्तार

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है जिसपर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी 'इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस'(आईएसआई) को जासूसी गतिविधियों के लिए भारतीय सिम कार्ड मुहैया कराने का आरोप है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईएसआई ने कथित तौर पर उसे अमेरिकी वीजा उपलब्ध कराने और पत्रकारिता में अवसर दिलाने का वादा करके प्रलोभन दिया था। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान नेपाल के बीरगंज निवासी प्रभात कुमार चौरसिया (43) के रूप में हुई है और उसे 28 अगस्त को पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके से एक गुप्त सूचना के बाद गिरफ्तार किया गया।

एअर इंडिया ने काठमांडू के लिए उड़ानें रद्द कीं

नयी दिल्ली : एअर इंडिया और इंडिगो ने नेपाल में सरकार विरोधी जबरस्त प्रदर्शनों के बीच हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद किये जाने के बाद मंगलवार को काठमांडू जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दीं। नेपाल एअरलाइन ने भी दिल्ली से काठमांडू की अपनी उड़ान रद्द कर दी। एक सूत्र ने बताया कि काठमांडू हवाई अड्डे पर पहुंचने पर परिसर से धुआं निकला देख एअर इंडिया का एक विमान मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली लौट आया। सूत्र के मुताबिक, दिल्ली से काठमांडू जाने वाली एअर इंडिया की एक अन्य उड़ान को लखनऊ की ओर मोड़ दिया गया और बाद में उसे राष्ट्रीय राजधानी लौटा दिया गया।

सीबीआई ने 183 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में इंदौर की कंपनी के एमडी को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मध्य प्रदेश जल निगम लिमिटेड (एमपीजेएनएल) को फर्जी बैंक गारंटी जमा करके सिंचाई परियोजनाएं हासिल करने के लिए कथित तौर पर 183 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के सिलसिले में इंदौर स्थित तीर्थ गोपीकॉन के प्रबंध निदेशक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जांच एजेंसी ने कहा कि सीबीआई ने कंपनी के प्रबंध निदेशक महेश कुंभानी और एक व्यक्ति गौरव धाकड़ को मध्य प्रदेश के छतरपुर, सागर और डिंडोरी जिलों में तीन सिंचाई परियोजनाओं को 2023 में 974 करोड़ रुपये में हासिल करने के लिए धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सीआरपीएफ जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की

सुकमा : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक हवलदार ने ड्यूटी के दौरान अपनी सर्विस राइफल से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना सोमवार रात को उस समय हुई जब सीआरपीएफ की 219वीं बटालियन का एक दल इंजरम गांव स्थित अपने बटालियन मुख्यालय से गश्त पर निकला था। उन्होंने बताया कि गश्ती दल में शामिल हवलदार नीलेश कुमार गर्ग (42) ने एके-47 राइफल से खुद को गोली मार ली। अधिकारी ने बताया कि गर्ग पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के निवासी थे।

करिश्मा कपूर के बच्चे दिवंगत पिता की संपत्ति में हिस्सेदारी के लिए अदालत पहुंचे

नयी दिल्ली : अभिनेत्री करिश्मा कपूर के दोनों बच्चों ने अपने दिवंगत पिता संजय कपूर की करीब 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति में हिस्सेदारी के लिए मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। इस अर्जी पर 10 सितंबर को सुनवाई होने की संभावना है। इसमें संजय कपूर की 21 मार्च की वसीयत को चुनौती दी गई है जिसमें कथित तौर पर उनकी सारी निजी संपत्ति उनकी सौतेली मां प्रिया कपूर के नाम की गई है। अर्जी में दावा किया गया है कि न तो संजय कपूर ने कभी वसीयत के बारे में उल्लेख किया और न ही उनकी सौतेली मां प्रिया कपूर या किसी अन्य व्यक्ति ने कभी इस बारे में कोई जिक्र किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल और पंजाब के बाढ़ प्रभावितों के लिए 3,100 करोड़ रुपये की राहत की घोषणा

केंद्र प्रभावित लोगों के साथ खड़ा है

शिमला/चंडीगढ़ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हिमाचल प्रदेश और पंजाब के लिए कुल 3,100 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण और समीक्षा बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने राज्य के लिए **1,500 करोड़ रुपये की तत्काल राहत** देने का एलान किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत, स्कूलों के पुनर्निर्माण और पशुधन के लिए मिनी किट जैसे बहुआयामी उपायों से राज्य को दोबारा पटरी पर लाया जाएगा। वहीं, चंडीगढ़ में प्रधानमंत्री ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने राज्य के लिए **1,600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता** का एलान किया। यह राशि राज्य के खजाने में पहले से मौजूद 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त होगी। साथ ही, बाढ़ पीड़ितों के परिजनों को दो लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा भी की गई। मोदी ने 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा, *पंजाब और हिमाचल के प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। अधिकारी राहत एवं बचाव कार्य में चौबीसों घंटे जुटे हैं। इस चुनौतीपूर्ण समय में हमारी संवेदनाएं लोगों के साथ हैं। केंद्र सरकार किसानों सहित सभी को हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी कांगड़ा में बादल फटने की घटना में परिवार को खोने वाली बच्ची से मिले

शिमला : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को 11 महीने की नीतिका को गोद में लिया तो गमगीन माहौल था। नीतिका ने हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने की घटना में अपने माता-पिता को खो दिया था। कांगड़ा में प्रधानमंत्री की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई जिसमें वह बच्ची को गोद में लिए हुए हैं। मोदी ने बच्ची के गालों को छुआ और उसे टॉफ़ी दी। तीस जून को परवारा पंचायत के तलवाड़ा गांव में बादल फटने के बाद, नीतिका के पिता 31 वर्षीय रमेश कुमार घर में पानी घुसने से रोकने के लिए बाहर गए थे और लापता हो गए। बाद में उन्हें मलबे में दबा हुआ पाया गया। रमेश की पत्नी राधा देवी (24) और मां पूर्णु देवी (59) भी उन्हें ढूंढ़ने निकलीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं।

ईडी ने डीएचएफएल के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी मामले में 186 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति कुर्क की

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में धन शोधन निरोधक कानून के तहत लगभग 186 करोड़ रुपये मूल्य की और संपत्ति कुर्क की गई है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अस्थायी रूप से कुर्क की गई संपत्ति में 154 फ्लैट शामिल हैं। कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 185.84 करोड़ रुपये है। एजेंसी के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 5 सितंबर को पीएमएलए के तहत एक आदेश जारी किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का मामला डीएचएफएल, उसके प्रवर्तकों कपिल वधावन और धीरज वधावन तथा अन्य के खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ है, जिसमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले 17 बैंकों के एक संघ के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। ईडी ने आरोप लगाया कि 2017-18 के दौरान, कपिल वधावन और धीरज वधावन ने छद्म कंपनियों के माध्यम से डीएचएफएल निधियों की हेराफेरी की साजिश रची।

ऐतिहासिक मिशन: तीनों सेनाओं की 10 महिला अधिकारी आईएएसवी त्रिवेणी से विश्व भ्रमण पर निकलेंगी

मुंबई : भारत के तीनों सशस्त्र बल थल सेना, वायु सेना और नौसेना की 10 महिला अधिकारियों का एक दल बृहस्पतिवार को यहां गेटवे ऑफ इंडिया से भारतीय सेना के नौकायन पोत 'आईएएसवी त्रिवेणी' पर सवार होकर विश्व भ्रमण के लिए रवाना होंगी। इस दल में सेना के पांच, वायु सेना के चार और नौसेना की एक अधिकारी होंगी। इस अभियान का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल अनुजा वरुडकर करेंगी। यह पहली बार है कि भारतीय सशस्त्र बल संयुक्त रूप से किसी जलयात्रा मिशन का नेतृत्व कर रहे हैं। ये अधिकारी 26,000 से अधिक नॉटिकल मील की समुद्री यात्रा करेंगी। इस दौरान वे दो बार भूमध्य रेखा पार करेंगी और तीन प्रमुख केप 'केप लीउविन', 'केप हॉर्न' और 'केप ऑफ गुड होप' को पार करेंगी। इस मिशन में वे प्रमुख महासागरों से होकर गुजरेंगी और 'ड्रेक पैसेज' जैसे दुनिया के सबसे खतरनाक समुद्री इलाकों में भी यात्रा करेंगी।

बांग्लादेश ने गंगा संधि के नवीनीकरण की अवधि बढ़ाने और बाढ़ के अधिक आंकड़े जारी करने का अनुरोध किया

नयी दिल्ली : बांग्लादेश संयुक्त नदी आयोग (जेआरसी) की मंगलवार को हुई बैठक में बांग्लादेश ने गंगा जल संधि के नवीनीकरण की अवधि बढ़ाने की इच्छा जताई और दोनों देशों के बीच बाढ़ के आंकड़ों को व्यापक रूप से साझा करने पर जोर दिया। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र के अनुसार भारतीय अधिकारियों ने कहा कि हालांकि भारत जल विज्ञान संबंधी आंकड़े साझा करने और बाढ़ प्रबंधन में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन संधि के प्रावधानों में बदलाव के लिए घरेलू जरूरतों पर सावधानीपूर्वक विचार और राज्य सरकारों के साथ समन्वय की आवश्यकता होगी। बांग्लादेश ने गंगा जल संधि के तहत कम जल प्रवाह वाले महीनों फरवरी और मई के बीच 40,000 क्यूसेक पानी की गारंटी के साथ छोड़ने के लिए दबाव डाला, लेकिन भारतीय पक्ष ने बताया कि फरक्का बैराज तक पानी की उपलब्धता तकनीकी कारकों पर निर्भर करती है।

लिंग-परीक्षण विरोधी कानून: राज्यों को याचिका पर जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने गर्भधारण-पूर्व एवं प्रसव-पूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम और संबंधित नियमों के प्रभावी कार्यान्वयन संबंधी एक याचिका पर जवाब देने के लिए मंगलवार को राज्य सरकारों को चार सप्ताह का समय दिया। यह बात रिकॉर्ड पर लाई गयी कि लगभग पांच राज्यों ने अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं किया था, जबकि बाकी ने याचिका पर अपने हलफनामे दाखिल कर दिए थे। पीसीपीएनडीटी कानून भ्रूण के लिंग परीक्षण के लिए प्रसव-पूर्व निदान तकनीकों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए बनाया गया था। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ को बताया गया कि शीर्ष अदालत ने पिछले साल सितंबर में राज्यों को अपने हलफनामे दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया था। राज्यों को निर्देश दिया गया था कि वे संबंधित अपीलीय अदालतों के समक्ष उपयुक्त प्राधिकारियों द्वारा हलफनामा दायर कर इस तरह के मामलों में अपीलों, पुनरीक्षण या अन्य कार्यवाहियों की संख्या बताएं। पीठ ने पूछा, ''क्या राज्यों ने अपने जवाब दाखिल किए हैं?'' मामले में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय पारिख ने कहा कि कुछ राज्यों ने अपने हलफनामे दाखिल कर दिए हैं। उन्होंने कहा, ''ऐसा प्रतीत होता है कि लगभग पांच राज्यों ने हलफनामे दाखिल नहीं किए हैं। ऐसे मामलों में कई लोगों को बरी कर दिया गया था, लेकिन उनके खिलाफ अपील दायर नहीं की गई।'' पीठ ने पूछा, ''वे (राज्य) बरी किए जाने के खिलाफ अपील क्यों नहीं दायर कर रहे हैं?'' शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकारियों ने ऐसे मामलों में उचित तरीके से मुकदमा नहीं चलाया, जिसके कारण आरोपी बरी हो गए।

यूपीआई भारत या पड़ोसी देशों तक सीमित नहीं, अब विश्वव्यापी हो चुका: सिंधिया

ग्वालियर (मध्यप्रदेश) : केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि भारत की मोबाइल ऐप आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई केवल भारत और पड़ोसी देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब यह विश्वव्यापी हो चुका है। ग्वालियर-चंबल अंचल के तीन दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे सिंधिया ने दुबई में आयोजित 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में यूपीआई और वैश्विक डाक-सेवा संघ (यूपीयू) के समन्वय से चलाई जाने वाली परियोजना का उल्लेख करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था यूपीयू से दुनिया के 193 देश जुड़े हुए हैं और भारतीय डाक विभाग का यूपीयू से समझौता हुआ है। उन्होंने कहा, ''यह समझौता डिजीटल भुगतान प्रणाली यूपीआई को लेकर है। यूपीआई केवल भारत या अन्य पड़ोसी देशों तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह अब विश्वव्यापी हो चुका है। यह सब कुछ संभव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ निश्चय के कारण हुआ है।'' भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ने नेपाल में जारी हिंसा को दुखद करार दिया और कामना की कि वहां जल्द शांति बहाल हो।

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान 400 वैज्ञानिकों ने चौबीसों घंटे किया कार्य : इसरो प्रमुख

नयी दिल्ली : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने मंगलवार को बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पृथ्वी अवलोकन और संचार उपग्रहों के माध्यम से सहायता प्रदान करने के लिए 400 से अधिक वैज्ञानिकों ने चौबीसों घंटे काम किया। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) के 52वें राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन को संबोधित करते हुए नारायणन ने कहा कि इसरो ने राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए उपग्रह डेटा उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी उपग्रह चौबीसों घंटे सक्रिय थे और सभी आवश्यकताओं को पूरा कर रहे थे। नारायणन ने कहा ''400 से अधिक वैज्ञानिक दिन-रात, पूरी क्षमता के साथ काम कर रहे थे और मिशन के दौरान सभी पृथ्वी अवलोकन और संचार उपग्रह पूरी तरह से सक्रिय थे। इसरो प्रमुख ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सशस्त्र संघर्षों में अंतरिक्ष क्षेत्र की भूमिका पर विशेष ध्यान गया। इस दौरान ड्रोन और स्वदेशी 'आकाश तीर' जैसी वायु रक्षा प्रणालियों की क्षमताओं की व्यापक जांच हुई। इसरो प्रमुख ने बताया कि मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' परियोजना के तहत अब तक 7,700 से अधिक जमीनी परीक्षण पूरे किए जा चुके हैं और आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान से पहले 2,300 परीक्षण और किए जाएंगे।

भारत ने 48 मछुआरों समेत 67 पाकिस्तानी नागरिकों को स्वदेश भेजा

नयी दिल्ली : भारत ने मंगलवार को 48 मछुआरों समेत 67 पाकिस्तानी नागरिकों को उनकी जेल की सजा पूरी होने पर स्वदेश भेज दिया। भारत ने पाकिस्तान से उसकी हिरासत में बंद मछुआरों समेत सभी भारतीय कैदियों की रिहाई और स्वदेश वापसी में तेजी लाने का भी आग्रह किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, अपनी सजा पूरी कर चुके 48 पाकिस्तानी मछुआरों और 19 पाकिस्तानी कैदियों को आज अटारी/वाघा सीमा के रास्ते वापस भेज दिया गया। बयान में कहा गया, भारत सरकार पाकिस्तान की हिरासत में भारतीय मछुआरों और अन्य कैदियों के मुद्दे को उच्च प्राथमिकता देती है और उसने पाकिस्तान सरकार से आग्रह किया है कि वह पाकिस्तान की हिरासत में बंद मछुआरों सहित सभी भारतीय कैदियों की रिहाई और उन्हें स्वदेश भेजने में तेजी लाए।

मालेगांव विस्फोट: प्रज्ञा ठाकुर और छह अन्य को बरी करने के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी

मुंबई : वर्ष 2008 के मालेगांव बम विस्फोट में मारे गए लोगों के छह परिजनों ने मामले के सात आरोपियों को बरी करने के विशेष अदालत के फैसले को बंबई उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। इन आरोपियों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित भी शामिल हैं। निसार अहमद सैयद बिलाल और पांच अन्य व्यक्तियों ने अपने वकील मतीन शेख के माध्यम से सोमवार को एक अपील दायर करके उच्च न्यायालय से विशेष अदालत के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर स्थित नासिक जिले के मालेगांव कस्बे में 29 सितम्बर 2008 को एक मस्जिद के पास मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट हुआ था, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी और 101 अन्य घायल हो गए थे।

एलएसी के रास्ते दो साल में 800 करोड़ रुपये का सोना तस्करी कर भारत लाया गया: ईडी

नयी दिल्ली : भारत-चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के रास्ते होने वाली सोने की तस्करी से जुड़े गिरोह की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच में पाया गया है कि 2023 और 2024 में एक चीनी, कुछ तिब्बतियों और स्थानीय लोगों की कथित संलिप्तता से 800 करोड़ रुपये मूल्य के 1,000 किलोग्राम से अधिक सोने को अवैध रूप से देश में लाया गया था। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने पिछले साल जुलाई में लद्दाख में एलएसी पर गश्त के दौरान भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों द्वारा 108 किलोग्राम विदेशी मूल के सोने की छड़ें जब्त किए जाने की घटना के बाद विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत इस आपराधिक गतिविधि की जांच शुरू की। सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों ने इस जब्ती के बाद तीन स्थानीय लोगों को गिरफ्तार किया था। आईटीबीपी 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा करता है। ईडी ने कहा कि इस मामले के सिलसिले में मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पांच स्थानों और लद्दाख में एक स्थान पर तलाशी ली गई। ईडी ने कहा कि राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने भी इस मामले (108 किलोग्राम सोने की छड़ों के मामले) की जांच की और उसकी जांच में पाया गया कि 1,064 किलोग्राम विदेशी मूल के सोने की तस्करी की गई तथा भुगतान क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से किया गया।

एनआईए ने इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकी साजिश मामले में कई राज्यों में तलाशी ली

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने इस्लामिक स्टेट और अन्य आतंकवादी संगठनों से जुड़े एक आतंकी साजिश मामले की जांच के तहत पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में 21 स्थानों पर तलाशी ली है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु के साथ-साथ जम्मू कश्मीर में भी तलाशी ली गई। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, एनआईए ने इस वर्ष जून में तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में कायर पुलिस से मामला अपने हाथ में लिया था और तलाशी के दौरान मोबाइल फोन सहित कई डिजिटल उपकरणों के साथ ही आपत्तिजनक दस्तावेजी सामग्री भी जब्त की थी। इसमें कहा गया है कि यह मामला अखलाथुर उर्फ मोहम्मद अखलाक मुजाहिद नामक व्यक्ति की गिरफ्तारी से शुरू हुआ, जिसने कथित तौर पर भारत में आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए अन्य लोगों के साथ साजिश रची थी। एनआईए ने कहा, ''उसके पाकिस्तान और सीरिया में कई संस्थाओं के साथ संबंध होने का पता चला।'' बयान में कहा गया है कि इस साजिश का उद्देश्य प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ जिहाद छेड़ने के लिए लोगों और साजोसामान को जुटाना था।

पटना में टीआरई-4 भर्ती को लेकर हंगामा

अभ्यर्थियों और पुलिस में झड़प, लाठीचार्ज

पटना : बिहार की राजधानी पटना में मंगलवार को शिक्षक नियुक्ति परीक्षा (टीआरई-4) की भर्ती प्रक्रिया को लेकर हजारों अभ्यर्थी सड़कों पर उतर आए और जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग थी कि सरकार 15 सितंबर से पहले 1.20 लाख पदों पर नियुक्ति की अधिसूचना जारी करे और सीट में की गई कटौती वापस ले। प्रदर्शन की शुरुआत गांधी मैदान से हुई, जहां पुलिस ने प्रदर्शनकारियों रोकने का प्रयास किया। इस दौरान अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच झड़प हुई तथा प्रदर्शनकारियों की भीड़ नारेबाजी के बीच डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़ गई। डाकबंगला चौराहे पर पुलिस ने त्रिस्तरीय अवरोधक लगाए थे, लेकिन प्रदर्शनकारी उसे तोड़ने की कोशिश करने लगे। हालात को संभालने के लिए स्थानीय अधिकारी एम. एस. खान मौके पर पहुंचे। अभ्यर्थियों ने उनसे शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) से मिलवाने की गुहार लगाई। इसके बाद स्थिति और बिगड़ गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया और लाठीचार्ज भी किया। मौके पर आंसू गैस के गोले लिए जवान भी तैनात रहे।

हिमाचल प्रदेश का परवाणू शहर स्वच्छ वायु प्रतियोगिता में भारत में दूसरे स्थान पर

शिमला : वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए कस्बों और शहरों द्वारा किये गये प्रयासों की रैंकिंग करने वाले एक वार्षिक सर्वेक्षण में हिमाचल प्रदेश के परवाणू को तीन लाख से कम आबादी वाले शहरों में देश का दूसरा सर्वश्रेष्ठ शहर घोषित किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत आयोजित ''स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2025'' में मध्य प्रदेश के देवास को इस श्रेणी में प्रथम स्थान मिला है। हिमाचल प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचपीपीसीबी) के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह पुरस्कार मंगलवार को नयी दिल्ली में आयोजित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा प्रदान किया गया।

बारिश का कहर: जम्मू-कश्मीर में बाढ़, भूस्खलन से सड़कों के 12,000 किलोमीटर लंबे हिस्से क्षतिग्रस्त

जम्मू : जम्मू-कश्मीर में बाढ़ और भूस्खलन के चलते जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग सहित सड़कों के करीब 12 हजार किलोमीटर लंबे हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि क्षतिग्रस्त उधमपुर-रामबन मार्ग पर मरम्मत कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है और आज शाम तक इसके बहाल हो जाने की उम्मीद है। लोक निर्माण विभाग के प्रधान सचिव अनिल कुमार सिंह ने कहा, कुल 42,000 किलोमीटर सड़कों में से करीब 12,000 किलोमीटर सड़कें हाल ही में आई बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उन्होंने सोमवार को यहां उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी के समक्ष बाढ़ से प्रभावित समग्र सड़क अवसंरचना की स्थिति पर प्रस्तुति देते हुए यह बात कही। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मरम्मत एवं बहाली कार्य को लेकर एक प्रस्तुति दी और कहा कि उधमपुर-रामबन खंड पर भारी नुकसान हुआ है, जिसे ठीक कर दिया जाएगा जबकि धार-उधमपुर खंड पर मंगलवार से यातायात एकतरफा चलेगा।

जम्मू कश्मीर के पुंछ में जमीन धंसने से करीब 50 इमारतें क्षतिग्रस्त

जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में पहाड़ी की ढलान पर स्थित एक गांव में भूमि धंसाव से 50 आवासीय ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए जिनमें अधिकांश रिहायशी मकान थे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जम्मू कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद राणा ने अपने मेंढर निर्वाचन क्षेत्र के प्रभावित कलाबन गांव का दौरा किया तथा प्रभावित लोगों को पर्याप्त राहत और पुनर्वास का आश्वासन दिया।

हिमाचल प्रदेश: कुल्लू में भूस्खलन से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत, तीन लोग घायल

शिमला : हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के निरमंड इलाके में भूस्खलन से दो बच्चों समेत एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही जिले में 23 जगहों पर भूस्खलनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 20 हो गई। ग्राम पंचायत प्रधान भोगा राम ने मंगलवार को बताया कि सोमवार रात करीब डेढ़ बजे घाटू पंचायत के शरमानी गांव में बादल फटने से हुई बारिश के बाद भूस्खलन में दो घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। एक ही परिवार के पांच सदस्य शिव राम की पत्नी ब्रस्ती देवी (50), बेटा चुन्नी लाल (32), बहू अंजू (25) और पोती जागृति (आठ) व पोता भूपेश (पांच) मलबे में दब गए जबकि शिव राम, धर्म दास व उनकी पत्नी कला देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि ब्रस्ती देवी का शव सुबह जल्दी बरामद कर लिया गया जबकि अन्य के शव दिन के समय बरामद किए गए। प्रधान ने बताया कि घायलों को निरमंड अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि प्रशासन को इस घटना की सूचना दे दी गई और ग्रामीण सोमवार रात से ही खोज एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। उप-विभागीय मजिस्ट्रेट मनमोहन सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में घटना में पांच लोगों की मौत की पुष्टि की। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया।

अफगानिस्तान की विजयी शुरुआत : हांगकांग 94 रन से पराजित

अबु धाबी: सलामी बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल (नाबाद 73) और अजमतुल्लाह उमरजई (53) के अर्धशतक तथा दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी की बदौलत अफगानिस्तान ने एशिया कप पुरुष टी20 टूर्नामेंट के ग्रुप बी मुकाबले में हांगकांग को 94 रन से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 188 रन बनाए। सेदिकुल्लाह ने मोहम्मद नबी (33) के साथ 51 रन और उमरजई के साथ 82 रन की साझेदारी निभाई। उमरजई ने सिर्फ 20 गेंदों में अर्धशतक जड़ा, जो अफगानिस्तान की ओर से सबसे तेज टी20 अर्धशतक रहा। लक्ष्य का पीछा करते हुए हांगकांग की टीम कभी मुकाबले में नहीं दिखी और 20 ओवर में नौ विकेट पर केवल 94 रन ही बना सकी। बाबर हयात ने 39 और कप्तान यासिम मुर्तजा ने 16 रन बनाए। बाकी बल्लेबाज नाकाम रहे। अफगानिस्तान के गेंदबाजों में गुलबदिन नायब और फजलहक फारूकी ने दो-दो विकेट लिए जबकि कप्तान राशिद खान, नूर अहमद और उमरजई को एक-एक सफलता मिली। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने टूर्नामेंट में जोरदार आगाज किया।

टी20 विश्व कप 2026 का आयोजन सात फरवरी से आठ मार्च के बीच होने की संभावना

नयी दिल्ली: भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले टी20 विश्व कप 2026 को सात फरवरी से आठ मार्च के बीच खेला जा सकता है। इस विश्व कप का आयोजन भारत के कम से कम पांच और श्रीलंका के दो शहरों में होने की संभावना है। इस विश्व कप का फाइनल अहमदाबाद या कोलंबो में होगा। यह पाकिस्तान के फाइनल में पहुंचने पर निर्भर करेगा। आईसीसी और बीसीसीआई के साथ हुए समझौते के तहत पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा।' ईएसपीएनक्रिकइंफो' की रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए समय निर्धारित कर दिया है और इसकी जानकारी सदस्य बोर्डों को दे दी है। इसका पूरा कार्यक्रम हालांकि अभी तय नहीं हुआ है। इस विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी और इसका प्रारूप वैसा ही रहेगा, जैसा कि वेस्टइंडीज और अमेरिका में 2024 में हुए टी20 विश्व कप का था। इसमें टीमों को पांच-पांच के चार ग्रुप में बाँटा जाएगा, जिसके बाद सुपर आठ चरण और सेमीफाइनल होंगे।इटली ने पहली बार टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है।अभी तक कुल 15 टीमों ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है, जिनमें गत चैंपियन भारत, श्रीलंका और इटली के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और नीदरलैंड शामिल हैं। बाकी बची पांच टीमों में से दो टीमें अफ्रीका क्वालीफायर से और तीन टीमें एशिया तथा पूर्वी एशिया प्रशांत क्षेत्र के क्वालीफायर से आएंगी।

भारत - पाक एशिया कप मुकाबला : मैदान पर आक्रामकता नहीं छोड़ेंगे सूर्य और सलमान

दुबई: भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले एशिया कप के मुकाबले में आक्रामकता पर अंकुश नहीं लगायेगी क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अहम पहलू है। वहीं पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली ने कहा कि वह किसी को निर्देश नहीं देंगे लेकिन इससे पीछे भी नहीं हटेंगे। पाकिस्तान से पहले भारत को बुधवार को यूएई से खेलना है। सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'मैदान पर आक्रामकता हमेशा रहती है। आक्रामकता के बिना हम यह खेल नहीं खेल सकते। मैं आक्रामकता के साथ मैदान पर उतरने को लेकर उत्साहित हूं।' उनसे पूछा गया था कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में क्या खिलाड़ी आक्रामकता कम करेंगे। इस साल की शुरूआत में पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान में सीमा पर तनाव और भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर के बाद दोनों टीमों के बीच यह पहला मुकाबला है। पाकिस्तानी कप्तान सलमान ने कहा ,'अगर कोई आक्रामक होना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है। किसी खिलाड़ी को कुछ कहने की जरूरत नहीं है क्योंकि सभी अलग हैं।' उन्होंने कहा ,'तेज गेंदबाज हमेशा आक्रामक होते हैं।' कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस और ट्रॉफी के अनावरण के बाद प्रश्नोत्तर का सत्र था। प्रस्तोता ने मीडिया से सिर्फ गैर राजनीतिक सवाल पूछने का अनुरोध किया। सूर्यकुमार और सलमान साथ में भी नहीं बैठे थे। उन दोनों के बीच में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान बैठे थे। भारतीय कप्तान से जब पूछा गया कि क्या वह टीम में बदलाव देखना चाहेंगे, उन्होंने हंसते हुए कहा ,'आप मुझे उकसाना क्यो चाह रहे हैं।' उन्होंने कहा,'जब आप किसी प्रारूप में खेलते हैं तो आपको यह जानना होता है कि तैयारी कितनी अच्छी है। बिना वजह प्रयोग की क्या जरूरत है। अगर हमें नतीजे मिल रहे हैं तो बदलाव क्यो करेंगे।' यह पूछने पर कि संजू सैमसन और जितेश शर्मा में से कल किसे मौका मिलेगा, सूर्यकुमार ने अपने पत्ते नहीं खेले लेकिन सैमसन पर सवाल करने वाले केरल के पत्रकार से मजाकिया अंदाज में कहा ,'मैं आपको पूरी टीम मैसेज कर दूंगा सर। वैसे हम उसका पूरा ध्यान रख रहे हैं। आप चिंता मत करो , हम कल सही फैसला लेंगे।'

दुबई में रहना और सभी मैच अबुधाबी में खेलना आदर्श नहीं: राशिद खान

दुबई: अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने मंगलवार को एशिया कप के कार्यक्रम और व्यवस्था की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी क्योंकि उनकी टीम दुबई में रहेगी और मैच के दिन अबुधाबी की करीब दो घंटे की यात्रा करेगी।इससे भी बड़ी विडंबना यह थी कि राशिद उसी दिन सुबह यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में शामिल हुए जिस दिन उनकी टीम को शाम को अबुधाबी में हांगकांग से भिड़ना है। राशिद ने एशिया कप में हिस्सा ले रही टीमों के कप्तानों की अनिवार्य प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा, ''मुझे नहीं लगता कि यह आदर्श है - इसी बात पर हम पहले भी (दूसरे कप्तानों के साथ) चर्चा कर रहे थे।' टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 170 विकेट लेने वाले राशिद ने यह भी कहा कि पेशेवर होने के नाते उन्हें कार्यक्रम को भूलकर खेल पर ध्यान केंद्रित करना होगा।राशिद ने कहा, 'एक बार जब आप मैदान में उतरते हैं तो आप बाकी सब कुछ भूल जाते हैं। दूसरे देशों में हम अक्सर दो-तीन घंटे की उड़ान भरकर सीधे मैच खेलने पहुंच जाते हैं। मुझे याद है कि एक बार मैं बांग्लादेश से अमेरिका गया था और सीधे मैच खेला था।''श्रीलंकाई कप्तान चरित असलंका ने भी कार्यक्रम के बारे में बात की जिससे जिम्बाब्वे के खिलाफ कड़ी श्रृंखला के बाद उनकी टीम को आराम करने और उबरने का बहुत कम समय मिला है।

मैदान पर आक्रामकता के बिना काम नहीं चल सकता : सूर्यकुमार

दुबई: भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले एशिया कप के मुकाबले में आक्रामकता पर अंकुश नहीं लगायेगी। भारतीय टीम बुधवार को यूएई के खिलाफ ग्रुप ए का पहला मैच खेलेगी जिसके बाद रविवार को उसका सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'मैदान पर आक्रामकता हमेशा रहती है। अगर आपको जीतना है तो इसके बिना काम नहीं चल सकता।' उनसे पूछा गया था कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में क्या खिलाड़ी आक्रामकता कम करेंगे। इसी सवाल पर पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा ,'अगर कोई आक्रामक होना चाहता है तो यह उसका फैसला है। जहां तक मेरी टीम का सवाल है तो मैं कोई दिशा निर्देश किसी को नहीं देता।'

निकहत जरीन विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

लिवरपूल: दो बार की चैंपियन निकहत जरीन ने मंगलवार को जापान की युना निशिनाका को कड़े मुकाबले में हराकर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।ड्रॉ में गैर वरीयता प्राप्त निकहत ने महिलाओं के 51 किग्रा भार वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सर्वसम्मत फैसले में जीत हासिल की। हालांकि यह स्कोर 21 वर्षीय निशिनाका द्वारा दी गई कड़ी टक्कर को नहीं दर्शाता। निशिनाका ने लगातार भारतीय मुक्केबाज को परेशान किया और जरूरत से ज्यादा पकड़ बनाए रखने के कारण उनके दो अंक काटे गए।दोनों मुक्केबाजों ने आक्रामक शुरुआत की और पूरे इरादे के साथ आगे बढ़ीं। निकहत ने शुरुआत में कुछ हुक लगाए लेकिन जापान की मुक्केबाज ने 3-2 से बढ़त बना ली। दूसरे राउंड में निकहत ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बेहतर मुक्के जड़े जबकि निशिनाका ने भारतीय मुक्केबाज की गर्दन में अपनी बांह डालकर उसे बांधे रखा। भारत की 29 वर्षीय मुक्केबाज ने तीखे जवाब दिए और राउंड 4-1 से जीत लिया।यह सिलसिला आखिरी तीन मिनट में भी जारी रहा जहां रेफरी ने लगातार क्लिंचिंग के लिए निशिनाका को फिर से दंडित किया। निकहत ने हालांकि बढ़त बनाए रखते हुए तीसरे विश्व चैंपियनशिप पदक की ओर कदम बढ़ाए। निकहत अब क्वार्टर फाइनल में दो बार की ओलंपिक रजत पदक विजेता और 2022 विश्व लाइट फ्लाइवेट चैंपियन तुर्की की बुसे नाज काकिरोग्लू के खिलाफ अपनी अब तक की सबसे कठिन चुनौती का सामना करेंगी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी के साथ किरण जॉर्ज हांगकांग ओपन में आगे बढ़े

हांगकांग: सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने मंगलवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया जबकि किरण जॉर्ज ने क्वालीफाइंग मुकाबला जीतकर पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।पेरिस विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी पहले दौर के अपने मुकाबले में चीनी ताइपे के चियू शियांग चिए और वांग ची-लिन को 21-13, 18-21, 21-10 से हराया।विश्व रैंकिंग की पूर्व नंबर एक जोड़ी मुकाबले के शुरूआती गेम में अच्छी लय में दिखी लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को दूसरे गेम में वापसी करने का मौका दे दिया। तीसरे गेम में सात्विक और चिराग ने हालांकि अपने चिर-परिचित अंदाज में नेट का शानदार इस्तेमाल करते हुए कुछ दमदार स्मैश लगाकर शानदार वापसी की। आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अब जापान के केनया मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा तथा थाईलैंड के पीरचाई सुखफुन और पक्कापोन टीरारत्सुकुल के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी।पुरुष एकल वर्ग में किरण ने क्वालीफायर में लगातार दो जीत हासिल करके मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनाई। उन्होंने मलेशिया के चियाम जून वेई को 21-14, 21-13 से हराने के बाद हमवतन एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-18, 21-14 से मात दी।

भारत सुपर चार मुकाबले में कोरिया के खिलाफ जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगा

हांगझोउ (चीन): पूल चरण में शानदार प्रदर्शन कर अविजित रही भारतीय महिला हॉकी टीम एशिया कप के सुपर चार चरण के अपने पहले मैच में बुधवार को दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपनी प्रभावशाली लय को जारी रखने की कोशिश करेगी। भारत ने इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत धमाकेदार तरीके से करते हुए थाईलैंड को 11-0 से रौंदा , इसके बाद जापान के खिलाफ 2-2 ड्रॉ खेला। भारत ने अपने अंतिम मैच में सिंगापुर को 12-0 से हराकर पूल बी में गोल अंतर के आधार पर जापान से आगे रहते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत इस लय को बनाए रखते हुए खिताब जीतने और अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेगा। विश्व रैंकिंग में 10 वें नंबर पर काबिज भारत सुपर चार चरण में विश्व रैंकिंग में 16 वें स्थान की टीम कोरिया के खिलाफ जीत के दावेदार के तौर पर मैदान में उतरेगा। कोरिया के बाद भारत बृहस्पतिवार को खिताब के दावेदार चीन के खिलाफ खेलेगा , उसके बाद शनिवार को जापान से भिड़ेगा। अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर और मुमताज खान पूल स्टेज में पांच - पांच गोल कर शानदार लय में हैं। उनसे उम्मीद होगी कि वे अपनी लय बरकरार रखते हुए टीम को फाइनल में पहुंचाने में अपना योगदान दे। नवनीत , मुमताज और ललरेमसियामी को सिंगापुर के खिलाफ कोई चुनौती नहीं मिली और उन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाया।

होंडा, जीप, बजाज ऑटो, यामाहा ने वाहनों के दाम घटाए

नयी दिल्ली: वाहन कंपनियों होंडा, जीप, बजाज ऑटो और यामाहा ने जीएसटी दरों में किए गए बदलाव के अनुरूप मंगलवार को अपने वाहनों की कीमतों में कटौती करने की घोषणा की है।होंडा कार्स इंडिया ने कहा कि वह अपनी लोकप्रिय गाड़ियों के दाम घटा रही है। कॉम्पैक्ट सेडान अमेज पर 95,500 रुपये तक, सिटी मॉडल पर 57,500 रुपये तक और एलीवेट मॉडल पर 58,400 रुपये तक की कटौती होगी।जीप इंडिया ने कहा कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाए जाने के बाद उसके कम्पास, मेरिडियन, रैंगलर और लक्जरी एसयूवी ग्रांड चेरोकी की कीमतों में 1.26 लाख रुपये से लेकर 4.8 लाख रुपये तक कटौती की जा रही है।दोपहिया वाहन कंपनी इंडिया यामाहा मोटर ने भी अपने मॉडल के दाम घटाने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि आर15 बाइक अब 1,94,439 रुपये में मिलेगा, जबकि पहले इसकी कीमत 2,12,020 रुपये थी। इसी तरह रेजेडआर मॉडल का दाम 93,760 रुपये से घटाकर 86,001 रुपये कर दिया गया है। अन्य मॉडलों पर भी 17,581 रुपये तक की राहत मिलेगी।बजाज ऑटो ने भी अपने बजाज एवं केटीएम ब्रांड वाली मोटरसाइकिलों पर 20,000 रुपये तक और तीन-पहिया वाहनों पर 24,000 रुपये तक की कटौती की है। नई दरें 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से लागू हो जाएंगी। वाहन कंपनियों ने जीएसटी कटौती को त्योहारी मौसम से पहले लिया गया सराहनीय कदम बताया है।

आईटी शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 314 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

मुंबई: सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों में लिवाली और अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी में 95 अंक की बढ़त रही। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स लगातार दूसरे दिन बढ़त में रहा और 314.02 अंक यानी 0.39 प्रतिशत चढ़कर 81,101.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 394.07 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों पर आधारित सूचकांक निफ्टी 95.45 अंक यानी 0.39 प्रतिशत बढ़कर 24,868.60 अंक पर पहुंच गया। यह लगातार पांचवा कारोबारी सत्र है जब निफ्टी में बढ़त दर्ज की गई।सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से देश की दूसरी बड़ी आईटी सेवा कंपनी इन्फोसिस के शेयर में 5.03 प्रतिशत की तेजी रही। कंपनी ने कहा कि उसका निदेशक मंडल 11 सितंबर को इक्विटी शेयर की पुनर्खरीद के प्रस्ताव पर विचार करेगा।इसके अलावा टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी तेजी बनी रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट, इटर्नल, अल्ट्राटेक सीमेंट और एनटीपीसी शामिल हैं।लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा, 'शेयर पुनर्खरीद के बारे में इन्फोसिस के विचार करने की घोषणा से आईटी शेयरों में तेजी का रुख रहा और इसके दम पर बाजार चढ़कर बंद हुआ।'ऑनलाइन ट्रेडिंग फर्म एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोन्मुडी आर. ने कहा, 'आईटी शेयरों में निवेशक धारणा सकारात्मक रहने से यह क्षेत्र सबसे आगे रहा।

एक साल में डेढ़ लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच सकती है चांदी

नयी दिल्ली: मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत औद्योगिक मांग, कमजोर डॉलर और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सुरक्षित निवेश प्रवाह के कारण आने वाले महीनों में चांदी की कीमतें 1.5 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती हैं।इस दृष्टिकोण के अनुसार, वैश्विक बाजारों में, चांदी 50 डॉलर प्रति औंस के स्तर को छू सकती है।अपने तिमाही पूर्वानुमान में, वित्तीय सेवा कंपनी ने कहा कि चांदी ने मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर इस साल अबतक लगभग 37 प्रतिशत का लाभ दिया है, जो कई परिसंपत्ति वर्गों से बेहतर प्रदर्शन है।चांदी को निवेश और औद्योगिक मांग, भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीति में ढील की उम्मीदों के मिश्रण से लाभ हुआ है।रिपोर्ट के अनुसार, अपने पिछले लक्ष्यों को हासिल करने के बाद, हमारा मानना है कि चांदी में और भी तेजी आने की संभावना है।रिपोर्ट कहती है, ''हमें उम्मीद है कि घरेलू मोर्चे पर कीमतें छह महीनों में धीरे-धीरे 1,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम और फिर 12 महीनों में 1,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम की ओर बढ़ेंगी, बशर्ते रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.5 के आसपास कारोबार करे।' अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल) को उम्मीद है कि कॉमेक्स चांदी वायदा शुरुआत में 45 डॉलर प्रति औंस और तेजी के अगले चरण में 50 डॉलर प्रति औंस के स्तर को छू सकता है।रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि चांदी के तेजी के अनुमान को कई कारकों का समर्थन प्राप्त है।रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका स्थित सिल्वर इंस्टिट्यूट का अनुमान है कि वर्ष 2025 में औद्योगिक मांग कुल उत्पादन का लगभग 60 प्रतिशत हो सकती है, और सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और 5जी बुनियादी ढांचे जैसी हरित प्रौद्योगिकियों की मांग अगली कुछ तिमाहियों में चांदी के लिए सकारात्मक तस्वीर पेश करती रहेगी।

परमार्थ के लिए मिलकर काम करने, साझा प्रयासों की जरूरतः प्रीति अदाणी

नयी दिल्ली: अदाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन प्रीति अदाणी ने दुनिया भर के परोपकारियों से आह्वान किया है कि वे पारंपरिक दान की सोच से आगे बढ़कर मिलकर काम करें और सामाजिक विकास के लिए साझा प्रयासों को प्राथमिकता दें।अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी की पत्नी प्रीति अदाणी ने 'एवीपीएन ग्लोबल कांफ्रेंस 2025' में मुख्य भाषण देते हुए कहा कि सामाजिक प्रगति की दिशा में अगली छलांग विभिन्न क्षेत्रों और संस्थाओं के बीच सहयोग पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा, 'हमें केवल दाता नहीं बल्कि सह-निर्माता बनना होगा। वास्तविक बदलाव तभी संभव है जब हम साझेदार के रूप में संसाधन जुटाएं और अलगाव की दीवारें तोड़ें।' अदाणी समूह की परमार्थ इकाई अदाणी फाउंडेशन ने बयान में कहा कि एशिया में टिकाऊ विकास पर केंद्रित सामाजिक निवेशकों और विकास क्षेत्र के दिग्गजों का यह वार्षिक सम्मेलन इस वर्ष हांगकांग में आयोजित हुआ। इसमें फाउंडेशन, पारिवारिक कार्यालय, कंपनियां और प्रभावी निवेशक शामिल हुए।इस अवसर पर प्रीति अदाणी ने एक वैश्विक सहयोग मंच बनाने का प्रस्ताव रखा जिससे परमार्थ संस्थाएं, गैर-सरकारी संगठन और अन्य साझेदार एक ही मंच पर आकर प्रयासों को जोड़ सकें, अनुभव साझा कर सकें और प्रभाव को कई गुना बढ़ा सकें। उन्होंने कहा, 'प्रभाव आंकड़ों से नहीं बल्कि उन कहानियों से परिलक्षित होता है जो आशा, बदलाव और सशक्तीकरण की झलक दिखाती हैं।'

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार वार्ता में अच्छी प्रगतिः गोयल

नयी दिल्ली: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि यूरोपीय संघ के व्यापार और कृषि आयुक्तों के भारत दौरा करने पर दोनों पक्ष व्यापार समझौते को काफी हद तक अंतिम रूप देने की स्थिति में होंगे।यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविच और कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ़ हेंसन के इस सप्ताह भारत आने की संभावना है।दोनों पक्षों के प्रमुख वार्ताकार इस समय प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 13वें दौर की बातचीत कर रहे हैं। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''व्यापार समझौते पर बातचीत में तेजी से प्रगति हो रही है। दोनों पक्ष विभिन्न हिस्सों पर सक्रिय रूप से समन्वय कर रहे हैं। समझौते के लगभग 60-65 प्रतिशत अध्याय अब पूरी तरह से तैयार और अंतिम रूप दिए जा चुके हैं।''उन्होंने कहा, ''जब मेरे सहयोगी मारोस सेफकोविक और क्रिस्टोफ़ हेंसन भारत आएंगे, तब हम काफी हद तक समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तैयार होंगे।''गोयल की टिप्पणी यह संकेत देती है कि भारत-यूरोपीय संघ एफटीए पर वार्ता अब अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर चुकी है और जल्द ही इसे औपचारिक रूप से अंतिम रूप दिया जा सकता है।भारत और 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ ने जून, 2022 में व्यापक एफटीए, निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेतक (जीआई) पर बातचीत आठ साल के अंतराल के बाद दोबारा शुरू की थी। एफटीए पर वार्ता 2013 में बाजार खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण रुक गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस साल 28 फरवरी को इस बात पर सहमति

न्यूज अपडेट

जियो फाइनेंशियल, जर्मनी की आलियांज ने पुनर्बीमा कारोबार के लिए गठजोड़ किया

नयी दिल्ली: जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने और जर्मनी की आलियांज ने भारत में पुनर्बीमा व्यवसाय के लिए 'आलियांज जियो रीइंश्योरेंस लिमिटेड' (एजेआरएल) नाम से एक संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन किया है।जेएफएसएल ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी एजेआरएल में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 25,000 इक्विटी शेयरों की प्रारंभिक सदस्यता के लिए 2.50 लाख रुपये का निवेश करेगी।

यूपी अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इस बार रूस बनेगा सहयोगी देश

लखनऊ: ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में लगातार तीसरे वर्ष आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी (यूपीआईटीएस) 2025 में इस बार रूस सहयोगी देश के रूप में शामिल होगा।राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश सरकार ने रूस को इस बड़े आयोजन में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया है। रूस की ओर से भी इस आमंत्रण को स्वीकार कर लिया गया है। इस आयोजन में रूस का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल, उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां और सांस्कृतिक कलाकार शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 सितंबर को 'यूपीआईटीएस 2025' का शुभारंभ करेंगे, जो 29 सितंबर तक चलेगा।

लगातार मांग आने से निजी निवेश को मिलेगा प्रोत्साहनः एसबीआई चेयरमैन

नयी दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने मंगलवार को कहा कि कंपनियों के 75 प्रतिशत क्षमता पर काम करने के बीच लगातार घरेलू मांग आने पर ही निजी क्षेत्र में पूंजीगत निवेश बढ़ पाएगा। शेट्टी ने एक कार्यक्रम में कहा कि इस्पात और सीमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्र में अभी कोई बड़ा निवेश नहीं हुआ है और कंपनियां लगभग 75-80 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रही हैं।उन्होंने कहा, अब विस्तार करने का सही समय है लेकिन कंपनियां यह देख रही हैं कि क्या घरेलू मांग लगातार बनी रहती है। सरकार की तरफ से मांग बढ़ाने के उपाय, आरबीआई द्वारा पर्याप्त नकदी डालने और ब्याज दरों में कमी इस भरोसे को बढ़ाने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय बहुत मजबूत बना हुआ है और सार्वजनिक रिफाइनरी अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए निवेश कर रही हैं।उन्होंने कहा कि खुद एसबीआई के बही-खातों में लगभग तीन-चार लाख करोड़ रुपये के कॉरपोरेट ऋण हैं, जो मुख्यतः सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरी, डेटा सेंटर और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए हैं। शेट्टी ने सुझाव दिया कि वैश्विक बैंकों की तर्ज पर भारतीय बैंकों को भी विलय एवं अधिग्रहण के लिए वित्तपोषण की अनुमति दी जानी चाहिए।

जीएसटी सुधारों के सुचारू क्रियान्वयन पर सीबीआईसी प्रमुख आज से करेंगे बैठक

नयी दिल्ली: जीएसटी सुधारों का सुचारू ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा-शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल बुधवार से विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित मामलों की सर्वोच्च इकाई जीएसटी परिषद की पिछले सप्ताह हुई 56वीं बैठक में चार-स्लैब वाले मौजूदा ढांचे को घटाकर दो दरों में बदलने का फैसला किया गया। नई दरें 22 सितंबर से लागू होंगी।सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि जीएसटी दरों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सीबीआईसी प्रमुख 10 सितंबर को एसोचैम, फिक्की, सीआईआई और पीएचडीसीसीआई सहित विभिन्न उद्योग मंडलों से बातचीत करेंगे। बुधवार को उनकी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, एफएमसीजी, सामान्य उपभोक्ता उत्पाद, हस्तशिल्प, खेलों के सामान, खिलौने, विविध क्षेत्र और दवा क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक होगी।

वर्ष 10, पूर्णांक 3353 अंक 163, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in